गोखनाथ मंदिर के सुरक्षा कर्मियों पर हमला कर एक हमलावर ने रविवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर में घुसने का प्रयास किया। सुरक्षा कर्मियों ने हमलावर को पकड़ लिया। घटना के बाद गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 111 दिनांक: 05-04-2022 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

सुप्रीम कोर्ट में लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत को लेकर सुनवाई हुई। बता दें कि आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है।

अल्ला-हू-अकबर का नारा लगाकर गोरखनाथ मंदिर में घुसने का प्रयास

हमलावर बोला- मैं चाहता था कोई मुझे गोली मार दे

लखनऊ। रविवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर में एक हमलावर ने अल्ला हू अकबर का नारा लगाते हुए गोरखनाथ मंदिर में घुसने का प्रयास किया। रोकने पर उसने सुरक्षा कर्मियों पर हमला बोल दिया। सुरक्षा कर्मियों ने हमलावर को पकड़ लिया। पकड़े गए हमलावर के पास से लैपटाप, पैन कार्ड और एयरलाइंस का टिकट बरामद हुआ है। घटना के बाद गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मंदिर परिसर में रविवार को हुई घटना ने सनसनी फैला दी है। अब तक सामने आए तथ्य इशारा कर रहे हैं कि यह घटना आतंकी साजिश का हिस्सा हो सकती है। आइआइटी बाम्बे से केमिकल इंजीनियरिंग कर चुका हमलावर अहमद मुर्तजा अब्बासी आतंकी संगठन आइएस से जुड़ा हो सकता है।

जांच में लगाई गई यूपी एटीएस और एसटीएफ को उसके लैपटाप से आइएस और सीरिया से जुड़े कुछ वीडियो व साहित्य मिला है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने भी कहा है कि इसके आतंकी घटना होने से इन्कार नहीं किया जा सकता। हर बिंदु की जांच कराई जा रही है। गोरखनाथ मंदिर नाथ संप्रदाय की सर्वोच्च पीठ होने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निवास स्थान भी है। ऐसे में घटना की गंभीरता कहीं अधिक बढ़ गई है। इसी बीच देर शाम सूत्रों ने बताया कि जांच में जुटी एटीएस और एसटीएफ को मुर्तजा के लैपटाप से आतंकी संगठन आइएस से संबंधित कुछ वीडियो और साहित्य बरामद हुआ है। अब जांच एजेंसियां यह जानकारी जुटा रही हैं कि इसके पास सिर्फ वीडियो हैं या वाकई इसके तार आइएस या किसी आतंकी संगठन से जुड़े हैं।

इससे पहले अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी और एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने गोरखपुर की घटना को लेकर लोकभवन में सोमवार को संयुक्त प्रेसवार्ता की। उनका कहना था कि गोरखनाथ मंदिर में सुरक्षाकर्मियों पर किया गया हमला गंभीर साजिश का हिस्सा है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह आतंकी घटना है। हमलावर व्यक्ति आतंकी घटना को अंजाम देने की बदनीयती से मंदिर परिसर में घुसने का प्रयास कर रहा था, जिसे पीएसी और पुलिस के जवानों ने साहसिक तरीके से विफल कर दिया। माना जा रहा है कि वह अंदर प्रवेश कर जाता तो वहां मौजूद श्रद्धालुओं को भारी क्षति पहुंचा सकता था। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि हमला करने वाला अहमद मुर्तजा अब्बासी गोरखपुर का ही निवासी है और उसके पास से लैपटाप, मोबाइल सहित कई वस्तुएं बरामद की गई हैं।

मुर्तजा की ट्रैवल हिस्ट्री से लेकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस के साथ ही जांच संयुक्त रूप से यूपी एटीएस और यूपी एसटीएफ को सौंपी गई है। दोनों एजेंसियों के एडीजी गोरखपुर भेज दिए गए हैं। वह इन तथ्यों की भी पड़ताल करेंगे कि कहीं मुर्तजा का अंतराष्ट्रीय संबंध तो नहीं है। .तो क्या लोन वोल्फ अटैक की फिराक में था अब्बासी : सूत्रों ने बताया कि हमलावर अब्बासी के मोबाइल से कई फतवे मिले हैं। यह भी पता चला है कि वह हथियार चलाने और लोन वोल्फ अटैक के तौर-तरीके इंटरनेट पर खोजता था। लोन वोल्फ अटैक से आशय ऐसे हमले से है, जो कि आतंकी अकेले करते हैं। वह छोटे से हथियार से अकेले ही कई लोगों की जान लेकर दहशत फैलाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि अहमद अब्बासी मुर्तजा ने भी अकेले ही धारदार हथियार से हमला किया था।

मुंबई जाकर मुर्तजा की जानकारी जुटाएगी टीम : एटीएस और एसटीएफ के हाथ में जांच आते ही एक टीम मुंबई भी भेजी जा रही है। आइआइटी बाम्बे में पढ़ाई के दौरान और बाद में वह जहां रहा, वहां पहुंचकर टीम हमलावर के बारे में जानकारी जुटाएगी। वहां उसके संपर्क में रहे लोगों से पूछा जाएगा कि उसकी गतिविधियां कैसी थीं। वह किन संस्थाओं या संगठनों के संपर्क में था। वह कहां-कहां जाता था। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि मुंबई से मुर्तजा के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। संदेह इसलिए भी गहरा रहा है, क्योंकि उसने हमले के दौरान मजहबी नारा लगाया। इससे माना जा रहा है कि वह किसी जिहादी मिशन से जुड़ा हो सकता है। एटीएस और एसटीएफ को मुर्तजा के लैपटाप से आतंकी संगठन आइएस से संबंधित कुछ वीडियो और साहित्य बरामद हुआ है। जांच एजेंसियां यह जानकारी जुटा रही हैं कि इसके पास सिर्फ वीडियो हैं या वाकई इसके तार आइएस या किसी आतंकी संगठन से जुड़े हैं।

जांबाज जवानों को पांच लाख का पुरस्कार : अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमले को नाकाम करने वाले जांबाज जवानों को पांच लाख रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है। यह पुरस्कार घटना में घायल हुए पीएसी कांस्टेबल गोपाल गौड़ और अनिल पासवान के साथ ही पुलिस कांस्टेबल अनुराग राजपूत को दिया जाएगा।

महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका 50 रुपये तक बढ़ सकता है इन ट्रेनों का किराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। डीजल इंजनों से चलने वाली ट्रेनों से लम्बी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों से अब अधिक किराया वसूला जा सकता है। ये अतिरिक्त शुल्क 15 अप्रैल से टिकट बुकिंग के समय रेल यात्रा में स्वतः जुड़ जाएगा। दरअसल, रेलवे बोर्ड डीजल इंजनों से चलने वाली ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों पर 10 रुपये से 50 रुपये के बीच हाइड्रोकार्बन सरचार्ज एचएसएस या 'डीजल कर' लगाने की योजना बना रहा है। यह सरचार्ज उन ट्रेनों पर लागू होगा जो डीजल इंजनों का उपयोग कर आधी से अधिक दूरी तय चलेंगी। यह ईंधन आयात के प्रभाव को कम करने के लिए किया जा रहा है, जो तेल की बढ़ती लागत से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। एसी क्लास के लिए 50 रुपए, स्लीपर क्लास के लिए 25 रुपए और अनारक्षित क्लास के लिए न्यूनतम 10 रुपए फीस तीन कैटेगरी के तहत ली जाएगी। उपनगरीय रेल यात्रा टिकटों पर ऐसा कोई अधिभार नहीं लगाया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनों को उन ट्रेनों की पहचान करने का निर्देश दिया है जो निर्धारित दूरी का 50 प्रतिशत डीजल से चलती हैं। इस सूची को हर तीन महीने में संशोधित किया जाना है। हालांकि 15 अप्रैल से पहले बुक किए गए टिकटों पर सरचार्ज लगाने के बारे में अभी कोई स्पष्टता नहीं है।रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के साथ-साथ सऊदी अरब और यमन के बीच झड़प के कारण वैश्विक तेल की कीमतें वर्तमान में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच चुकी हैं। भारत द्वारा रूस से रियायती कीमतों पर तेल आयात करने के बावजूद, आपूर्ति की कमी है। देश में ईंधन की कीमतों में लगातार 12 दिनों तक बढ़ोतरी के साथ उपभोक्ता ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं।

पाकिस्तान-श्रीलंका में गहराया संकट पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। इस बैठक में पड़ोसी देश पाकिस्तान और श्रीलंका में मचे उथल-पुथल को लेकर बने हालात पर चर्चा हो सकती है। एक तरफ जहां पाकिस्तान संसद भंग करने का एलान किया गया और उसके बाद अब सभी को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है, तो वहीं दूसरी तरफ श्रीलंका में पीएम को छोड़कर पूरी कैबिनेट ने ही अपना इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि इमरान खान कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक मुल्क के प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे।

इससे पहले, कैबिनेट सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा था कि खान ''तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद छोड़ते हैं।'' हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत राष्ट्रपति ''अपने उत्तराधिकारी के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने तक निवर्तमान प्रधानमंत्री को पद पर बने रहने के लिए कह सकते हैं।'' राष्ट्रपति अल्वी ने प्रधानमंत्री खान की सलाह पर नेशनल असेंबली (एनए) को भंग कर दिया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने देश के सभी विपक्षी दलों से एकता मंत्रिमंडल में शामिल होने की अपील की। राष्ट्रपति के इस आमंत्रण को, भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के लोगों के गुस्से को शांत करने की सरकार की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ''राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने सभी दलों को आमंत्रित किया है ताकि देश के सामने आए राष्ट्रीय संकट का समाधान तलाशा जाए।'' रविवार को देश के सभी 26 मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। शिक्षा मंत्री एवं सदन के नेता दिनेश गुणावर्धने ने पत्रकारों से कहा कि कैबिनेट मंत्रियों ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। हालांकि उन्होंने सामूहिक तौर पर इस्तीफे दिए जाने का कोई कारण नहीं बताया। सभी विपक्षी दलों को सरकार ने ऐसे वक्त आमंत्रित किया है जब लोगों में देश की आर्थिक स्थिति को संभाल नहीं पाने को लेकर सत्तारूढ़ राजपक्षे परिवार के प्रति बहुत आक्रोश है। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट से सरकार द्वारा कथित रूप से ''गलत तरीके से निपटे जाने'' को लेकर मंत्रियों पर जनता का भारी दबाव था। देश में विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए कर्फ्यू लगा दिया गया था, इसके बावजूद शाम को व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इन घटनाक्रम के बीच सेंट्रल बैंक के गवर्नर अजित निवार्ड काबराल ने भी अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। काबराल ने कहा ,''सभी कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफा देने के संदर्भ में, मैंने गवर्नर के पद से आज इस्तीफा दे दिया है।'' उन पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) संरचनात्मक समायोजन सुविधा के जरिए श्रीलंका के आर्थिक राहत मांगने पर अड़ियल रुख अपनाने का आरोप लगाया गया था।

क्रिमिनल प्रोसिजर बिल लोकसभा से पारित

नई दिल्ली (ईएमएस)। अपराधियों की हर पहचान का रिकॉर्ड रखने वाला क्रिमिनल प्रोसिजर बिल लोकसभा से पारित हो गया है। बिल पारित करने के पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह कानून उसी पर लागू होगा जिसे सात साल सजा हुई है। शाह ने कहा, बिल को लेकर 21 से अधिक सांसदों ने विचार रखे । शंका की दृष्टि से कुछ सदस्यों ने बिल के बारे में कहा है। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह बिल दुरुपयोग के लिए नहीं, बल्कि समय के मुताबिक लाया गया है।' उन्होंने कहा, ' जो मानव अधिकार की दुहाई की बात रहे है तो उनको दूसरा पक्ष भी समझना चहिए। जो कानून के हिसाब से जीने वाले लोग हैं, उनकी चिंता करेंगे। मानव अधिकार को एक ही चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'यह 102 साल पुराना कानून है, इसमें वैज्ञानिक आयामों को जोड़ा गया है। यह बिल देश मे दोष सिद्धि के माध्यम के लिए लाया गया है जिसने अपराध किया है उसको सजा दिलाने के लिये लाया गया है। वर्ष 2014 में मोदीजी स्मार्ट पुलिस का कांसेप्ट लेकर आए थे। अब क्राइम और क्रिमिनल बदल गए हैं तो हम पुलिस को आधुनिक क्यों नहीं करें। यह बिल लाने में बहुत देर हो गई।' गृह मंत्री शाह ने साफ किया, 'इस बिल में माइनॉरिटी शब्द ही नही है। इसे कोई गलत चश्मे से ना देखे। मोदीजी पर कभी कोई क्रिमिनल केस दर्ज नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पोटा देशहित में कानून था लेकिन इसे तुष्टीकरण के लिए रद्द किया गया। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि आप विपक्ष में बैठे हैं, केवल इसलिए विरोध करे, यह कोई लॉजिक नहीं है। जांच अब थर्ड डिग्री के आधार पर नहीं बल्कि तकनीक के आधार पर की जानी चाहिए ।

सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस करेगी संसदीय दल की बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। बजट सत्र के आखिरी चरण की रणनीति पर चर्चा के लिए कांग्रेस संसदीय दल की बैठक पांच अप्रैल को होनी है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कल सुबह साढ़े नौ बजे इस बैठक की अध्यक्षता करेंगी। कांग्रेस की ये बैठक ऐसे वक्त में हो रही है जब बजट सत्र के आखरी दिनों में दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल और आपराधिक प्रक्रिया विधेयक समेत 7 बिल सूचीबद्ध हैं। इन 7 बिल में से लोकसभा पहले ही 6 को पारित कर चुकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पार्टी आखिरी हफ्ते में अपनी रणनीति पर बातचीत करेगी। कांग्रेस संसद में हो या बाहर इन दिनों केंद्र सरकार को पेट्रोल, डीजल, गैस सिलिंडर के बढ़ते दामों को लेकर जमकर हमला कर रही है।

कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकियों ने कश्मीरी पंडित को गोली मारी

श्रीनगर (ईएमएस)। कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकियों ने एक दुकानदार को गोली मार दी। घाटी में यह चौथा आतंकी हमला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में कश्मीरी पंडित सोनू कुमार बालाजी के हाथ और पैर में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए श्रीनगर के आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया है। उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। इससे पहले आतंकवादी हमले में सोमवार को एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। यह हाल ही में आतंकवादियों की ओर से सुरक्षाबलों पर किया गया सबसे बड़े हमलों में से एक है। आतंकी छापामार तरीके से सुरक्षाबलों औ- जम्मू-कश्मीर के पुलिसकर्मियों को निशाना बना रहे हैं। कुछ दिनों पहले जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में ही आतंकवादियों ने दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी, जो सगे भाई थे। खबरों के मुताबिक, हमले में एक सीआरपीएफ कर्मी की मौत हुई है। इससे कुछ घंटों पहले पुलवामा में गैर कश्मीरियों पर हमला हुआ था, जिसमें दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई थी। वहीं आज के हमले में घायल सुरक्षाकर्मी का एमएसएचएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, आतंकियों ने सुरक्षाबलों के एक चेक प्वाइंट पर फायरिंग की। लेकिन जवानों के मुस्तैद होने के पहले ही आतंकी वहां से भागने में कामयाब रहे।

यति नरसिंहानंद के हिंदुओं को अस्तित्व बचाने के लिए हथियार उठाने के बयान पर केस दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली में हिंदू महापंचायत में हिदुत्व समर्थक महंत यति नरसिंहानंद के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। भड़काऊ भाषण देने के मामले में यति नरसिंहानंद के साथ ही दिल्ली पुलिस ने सुरेश चौहान के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने हिंदू महापंचायत कार्यक्रम के दौरान एक विशेष समुदाय को केंद्रीत कर विवादित बयान दिया था। इस मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल, अपने विवादित बयानों के कारण चर्चा में रहने वाले यति नरसिंहानंद ने रविवार को दिल्ली के मुखर्जी नगर में हिंदू महासभा का आयोजन किया था।

इस दौरान यति नरसिंहानंद ने कहा, 'वर्ष 2029 में या वर्ष 2034 में या वर्ष 2039 में मुस्लिम प्रधानमंत्री बन जाएगा। अगर एक बार मुस्लिम प्रधानमंत्री बना तो अगले 20 साल में 50 प्रतिशत हिंदुओं का धर्मांतरण हो जाएगा, 40 प्रतिशत की हत्या कर दी जाएगी और बाकी बचे 10 प्रतिशत या तो शरणार्थी शिविरों में होंगे या दूसरे देश में होंगे।' नरसिंहानंद के इस विवादित बयान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में की भी नरसिंहानंद को कथित तौर पर हिंदुओं को अपना अस्तित्व बचाने के लिए हथियार उठाने नसीहत देते हुए भी सुना जा सकता है। सोशल मीडिया पर हिंदू महापंचायत के वायरल वीडियो में नरसिंहानंद कहते सुनाई देते हैं, यह हिंदुओं का भविष्य होगा। अगर आप इस भविष्य से बचना चाहते हैं तो मर्द बनो और हथियार उठाओ।

इस बीच, कार्यक्रम को कवर करने गए दिल्ली के कुछ पत्रकारों के साथ वहां कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने की खबर है। पुलिस ने हालांकि, उन्हें हिरासत में लेने के दावे से इनकार किया है। कार्यक्रम को कवर गए पत्रकारों में से एक ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि महापंचायत में हिंदू भीड़ ने मीडिया के दो मुस्लिम सदस्यों पर हमला किया और उन्हें हिरासत में भी लिया गया।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के मुद्दे पर सोमवार को राज्यसभा में तमाम विपक्षी दलों के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया। इसकी वजह से उच्च सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई। पीठासीन उपसभापति सस्मित पात्रा ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा का जवाब देने के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम पुकारा। इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायान ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि कई सदस्यों ने अलग-अलग मुद्दों पर नोटिस दिए हैं। उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने महंगाई के मुद्दे पर नोटिस दिया है जबकि कुछ अन्य सदस्यों ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर नोटिस दिए हैं। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसे नियम 138 के तहत सदन में पेश किया जाना चाहिए।ब्रायन ने कहा कि सरकार महंगाई, पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की कीमतों पर चर्चा नहीं करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कम से कम महिला आरक्षण संबंधी प्रस्ताव पर सरकार चर्चा करे। इसका जवाब देते हुए यादव ने कहा कि नियम 138 एक याचिका है और इसका सदन की कार्यवाही से कोई लेनादेना नहीं है। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ सदस्य आसन के निकट आकर नारेबाजी करने लगे। पात्रा ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थान पर लौट जाने का बार-बार अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जब तक सदन में व्यवस्था नहीं बनेगी, तब तक वह व्यवस्था का कोई प्रश्न स्वीकार नहीं कर सकते। द्रमुक के तिरुची शिवा ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि उन्होंने नियम 267 के तहत नोटिस दिया कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में हो रही वृद्धि पर सदन में चर्चा हो लेकिन उस नोटिस को स्वीकार नहीं किया जा रहा है। इस पर पात्रा ने कहा कि चूंकि सभापति एम वेंकैया नायडू ने उनके नोटिस को अस्वीकार कर दिया है, लिहाजा उस बारे में चर्चा करने का कोई मतलब ही नहीं बनता।

बिहार में भारत-नेपाल सीमा के पास तीन रूसी गिरफ्तार

- पुलिस ने छह ?किलो मादक पदार्थ ?किया बरामद

पटना (ईएमएस)। बिहार के रक्सौल में भारत-नेपाल सीमा के पास सुरक्षाकर्मियों ने एक महिला समेत तीन रूसी नागरिकों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से छह किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है। एक अधिकारी ने बताया कि भारत में उनके वीजा की अवधि समाप्त हो गई है और वे यात्रा संबंधी वैध दस्तावेजों के बिना सीमा पार कर रहे थे। सहायक विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी अजय कुमार पंकज ने संवाददाताओं से कहा ?कि उन्हें यात्रा संबंधी वैध दस्तावेजों के बिना एक निजी वाहन में सीमा पार करके नेपाल जाने की कोशिश करते समय पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा ?कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि वे उनके वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे। उनके पास से करोड़ों रुपए कीमत के छह किलोग्राम मादक पदार्थ मिले हैं। पंकज ने कहा कि आरोपियों को आगे की जांच के लिए जिला पुलिस को सौंप दिया गया है और यदि उनके कोई सहयोगी हैं, तो उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लखीमपुर खीरी केसः कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

-जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा गया

लखीमपुर खीरी (ईएमएस)। यूपी के लखीमपुर खीरी जिले में घटे मामले में देश की शीर्ष कोर्ट द्वारा नियुक्त कमेटी ने स्टेटस रिपोर्ट पेश कर दी है। इसने कहा कि मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश सरकार को दो बार मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को दी गई जमानत को रद्द करने की सिफारिश की थी। लखीमपुर खीरी मामले में आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अब फैसला सुरक्षित रख लिया है। इसकी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सबूत इस बात की पुष्टि करते हैं कि केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा उस जगह पर थे, जिसमें आठ लोग मारे गए थे। उसे घटना के दिन यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्ग में बदलाव के बारे में भी जानकारी थी। आशीष मिश्रा पर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में मौर्य के दौरे के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसानों को कुचलने का आरोप लगाया गया था। किसान तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे थे, जिन्हें बाद में केंद्र ने निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 30 मार्च को लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द नहीं करने को लेकर विशेष जांच दल की सिफारिश पर उत्तर प्रदेश प्रशासन से सवाल किया था।

आशीष मिश्रा की ओर से पेश महेश जेठमलानी ने कहा कि इस स्तर पर हम यह नहीं कह सकते कि क्या कोई इरादा था। एसआईटी ने अपनी सिफारिश में हमें इस आधार पर विशेष अनुमति याचिका दायर करने को कहा कि गवाहों से छेड़छाड़ का खतरा था, कृपया हमारा हलफनामा देखें।जमानत दंडात्मक नहीं है। याचिकाकर्ताओं के वकील दुष्यंत दवे ने तर्क दिया कि जेठमलानी इस तथ्य की अनदेखी कर रहे हैं कि एक प्रमुख चश्मदीद को आरोपी के समर्थकों ने पकड़ा और पीटा। उसने विशेष रूप से उन लोगों के नाम पर प्राथमिकी दर्ज की उसे धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि राज्य यह कहकर जांच को खारिज करना चाहता है कि यह होली समारोह के कारण कुछ था। गवाहों से फोन पर संपर्क करने का क्या उद्देश्य है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें 40-40 पैसे प्रति लीटर बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सोमवार को फिर बढ़ोत्तरी कर दी। बीते 14 दिनों में तेल कंपनियां ने 12वें दिन ईंधन के दाम बढ़ाए हैं। दिल्ली में सोमवार 04 अप्रेल को पेट्रोल और डीजल के दामों में 40-40 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गई। इस वृद्धि के बाद दिल्ली में पेट्रोल 103.81 रुपए प्रति लीटर और डीजल के 95.07 रुपए प्रति लीटर के दाम से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 118.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 103.07 रुपए प्रति लीटर पर है। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में इनकी कीमतों में उछाल आया है। वैश्विक स्तर पर भले ही कच्चे तेल के दाम 100 डालर प्रति बैरल के करीब आ गए हैं लेकिन देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल जारी है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद 22 मार्च 2022 से बढ़नी शुरू हुई हैं। कंपनियों ने 24 मार्च और 01 अप्रैल को छोड़कर हर दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.20 प्रतिशत से बढ़कर 104.60 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 99.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश के चार बड़े महानगरों में सोमवार को पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे- दिल्ली में पेट्रोल 103.81 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 95.07 रुपए प्र?ति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 113.45 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 98.22 रुपए प्र?ति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 118.83 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 103.07 रुपए प्र?ति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 109.34 रुपए प्र?ति लीटर, डीजल 99.42 रुपए प्र?ति लीटर है।

कार्टून कोना

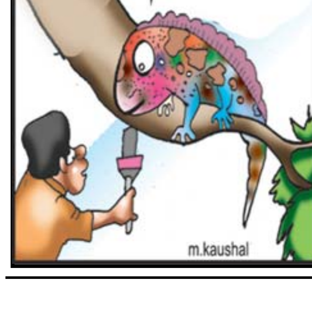

राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व में फिर भड़की आग, एसडीआरएफ ने और टीमें भेजीं

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व में सोमवार को एक बार फिर भीषण आग भड़क गई, जिसके बाद एसडीआरएफ को आग बुझाने में मदद के लिए और टीमों को भेजना पड़ा। अधिकारियों ने आईएएनएस को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि एसडीआरएफ एक कंपनी अजमेर से और एक जयपुर से भेज रही है, क्योंकि उनके पास सीमित संसाधन हैं, जबकि दो कंपनियां रविवार रात को ही भेजी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, ठइस बार हम अतिरिक्त पानी के टैंकर भेज रहे हैं, जो आखिरी बार आग लगने पर एक तक सीमित थे।ठ रविवार शाम को लगी आग जंगल के 5-6 किमी क्षेत्र में फैल गई है।शुक्रवार को लगी एक और आग पर उसी दिन काबू पा लिया गया।

सूत्रों ने कहा है कि वन अधिकारी आग को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, क्योंकि इसे पूरी तरह से बुझाया जाना बाकी है। इससे पहले, वन अधिकारी क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की पत्नी अंजलि तेंदुलकर की आवभगत में व्यस्त थे, इस तथ्य के बावजूद कि इस रेगिस्तानी राज्य में कई बाघों के घर रिजर्व में आग लग गई है। जंगलों में आग मूल रूप से तीन कारणों से लगती है- प्राकृतिक कारण; जली हुई सिगरेट को लापरवाही से जंगल में फेंकना; और तस्कर जंगलों में अपना रास्ता बनाने के लिए आग लगाते हैं। अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि वन अधिकारियों को इन सभी कोणों की गहन जांच करने की जरूरत है। नई आग बमुश्किल एक हफ्ते बाद लगी, जब सरिस्का रिजर्व का एक और क्षेत्र भीषण जंगल की आग की चपेट में आ गया था, जिसे भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों की मदद से काबू किया गया।

दिवालिया श्रीलंका, सड़क पर जनता....

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में राजनीतिक और आर्थिक हालात बदतर होते जा रहे हैं। देश में न खाने को अनाज है और न पेट्रोल पंप पर ईंधन। प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा सौंप दिया है और वहां सरकार में नए चेहरों को लाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच एक अहम घटनाक्रम में पीएम महिंदा राजपक्षे के परिवार के कई सदस्यों ने देश छोड़ दिया है।

मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि महिंदा राजपक्षे सरकार में मंत्री रहे उनके बेटे नमल राजपक्षे की पत्नी लमिनी राजपक्षे ने श्रीलंका छोड़ दिया है। इसके साथ ही पीएम महिंदा राजपक्षे के समधी यानी के लमिनी राजपक्षे भी श्रीलंका छोड़कर दूसरे देश चले गए हैं। ये लोग किस देश में गए हैं अभी इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन सरकार के खिलाफ बढ़ते विरोध प्रदर्शनों और लोगों के गुस्से के बीच ये सभी देश छोड़कर चले गए हैं।

सूत्रों ने कहा है कि प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के परिवार के कुल 9 लोगों ने देश छोड़ दिया है और अज्ञात स्थान पर चले गए हैं। सूत्रों के अनुसार ये सभी सदस्य 3 अप्रैल की सुबह देश से बाहर निकले हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की अन्य दो बहुएं भी देश छोड़कर चली गई हैं या नहीं? श्रीलंका में कई दिनों से अफवाहें चल रही हैं कि प्रधानमंत्री के परिवार से जुड़े लोग श्रीलंका छोड़कर बाहर जा सकते हैं। खास बात यह है कि नमल राजपक्षे श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बेटे हैं। कुछ देर पहले तक नमल श्रीलंका के युवा और खेल मंत्री थे। लेकिन अब श्रीलंका की पूरी कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया है।

यहां यह बताना जरूरी है कि नमल राजपक्षे ने श्रीलंका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बंद करने के सरकार के फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि सोशल मीडिया पर बैन बेकार है, क्योंकि कई लोग वीपीएन का इस्तेमाल सोशल मीडिया साइटों तक पहुंचने के लिए कर रहे हैं। इसके अलावा श्रीलंका के इस कदम की अन्य देशों में भी आलोचना हुई। इसके बाद सरकार ने रविवार दोपहर तक सोशल मीडिया पर से प्रतिबंध हटा लिया। बता दें कि श्रीलंका कर्ज, महंगाई से परेशान है। श्रीलंका विदेशी मुद्रा के अभाव में विदेशों से पेट्रोलियम समेत, जरूरी खाद्य पदार्थों का आयात नहीं कर पा रहा है। श्रीलंका की सरकार ने हालात से निपटने के लिए कई शहरों में कर्फ्यू लगा रखा है।

जन हितैषी

इमरान की यार्कर

खैबर पख्तूनख्वा के लोअर दीर में एक रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान इमरान खान ने एक रैली में दावा किया था कि वे अपनी 'इनस्विंग यॉर्कर' से विपक्ष को क्लीन बोल्ड कर देंगे। इमरान ने तब जो कहा, उसे अब कर दिखाया है। रविवार को पाकिस्तान की राजनीति में जिस तरह का घटनाक्रम देखने को मिला, उसने पूरी दुनिया को हतप्रभ कर दिया। सुबह तक जो रणनीतिकार इमरान की विदाई की बात कर रहे थे, उनके सारे समीकरण धरे रह गए। गेंद अब सुप्रीम कोर्ट के पाले में है। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के लिए बेंच बना दी है। जिस पर रविवार या सोमवार को सुनवाई की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट से फैसला जो आए, मगर अभी तो इमरान ही विपक्ष पर भारी पड़े हैं और सुप्रीम कोर्ट जाने की सूरत में कहा है कि उनके पास कई योजनाएं बाकी हैं। वे हर बार विपक्ष को बोल्ड करेंगे। इससे पहले दोपहर में संसद में डिप्टी स्पीकर ने आर्टिकल 5 का हवाला देकर इमरान सरकार के खिलाफ लाया गया विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव न सिर्फ खारिज कर दिया, बल्कि इसके बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने संसद को भंग करने की सिफारिश कर दी। इसके साथ ही इमरान खान की मांग पर राष्ट्रपति ने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया। अब पाकिस्तान में 90 दिन के अंदर आम चुनाव होंगे। हालांकि इमरान तब तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद इमरान खान ने देश को संबोधित किया। इस दरौन उन्होंने कहा-हम इंसाफ के लिए अवाम के बीच जाएंगे। हम लोगों से अपील करते हैं वो अगले चुनाव की तैयारी करें। सारी कौम से गद्दारी की कोशिश की जा रही थी। इमरान के इस दांव के बाद समूचा विपक्ष संसद के बाहर धरने पर बैठ गया और ताजा घटनाक्रम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली। इमरान के इस फैसले के बाद विपक्षी पार्टियों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष अध्यक्ष बिलावल भुट्टो का कहना है कि इमरान ने संविधान को तोड़ा है। इससे पहले विपक्षी पार्टियों ने संसद के स्पीकर असद कैसर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। विपक्षी पार्टियों का कहना था कि कैसर निष्पक्ष होकर कार्यवाही नहीं कर रहे। वहीं, राजधानी इस्लामाबाद में कर्फ्यू भी लगा दिया गया था। अगर आर्टिकल-5 पर नजर डालें तो इसमें कहा गया है कि-देश के प्रति वफादारी हर नागरिक का कर्तव्य है। संविधान के कानून को हर नागरिक को मानना होगा। चाहे वह जहां भी रहें या फिर कुछ ही वक्त के लिए पाकिस्तान में रहा हो। पाकिस्तान सरकार के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ बोलते हुए कहा कि आर्टिकल 5 के तहत देश के प्रति वफादारी हर पाकिस्तान के हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा था कि पीएम इमरान खान ने कहा है कि उनकी सरकार को हटाने के लिए विदेशी साजिश है। क्रिकेट की पिच पर पाकिस्तान के हीरो रहे इमरान खान राजनीति के आखिरी ओवर में भी अपनी सरकार को बचाने में कामयाब रहे। गठबंधन पार्टी के अलावा इमरान की अपनी पार्टी के ही कुछ सांसदों ने उनका साथ छोड़ दिया था। लेकिन, खान ने हार नहीं मानी। इमरान खान ने 1996 में अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की स्थापना की। 22 साल तक राजनीति में संघर्ष करने के बाद 18 अगस्त 2018 को उन्होंने पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

बेलगाम नोकरशाही पर कौन लगाएगा लगाम!

उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव पंकज पांडेय की मनमानी के चलते एक महिला डॉक्टर को आहत होकर अपना इस्तीफा देना पड़ा। देहरादून मेडिकल कॉलेज में तैनात महिला चिकित्सक डॉ. निधि उनियाल को स्वास्थ्य सचिव पंकज कुमार पाण्डेय के आवास पर उनकी पत्नी को देखने के लिए भेजा गया था। इस दौरान उनियाल गलती से ब्लड प्रेशर नापने की मशीन अपनी कार में भूल गई। इसी मामूली सी बात को लेकर सचिव की पत्नी ने चिकित्सक के साथ अभद्रता करनी शुरू कर दी। महिला डॉक्टर का कहना है कि सचिव की पत्नी ने इस दौरान उनके साथ न केवल बदसलूकी की बल्कि चिकित्सकों के व्यवसाय को भी भला-बुरा कहा। इस पर डॉ. उनियाल वहां से तत्काल लौट आयी। बाद में इस घटना पर उल्टे डॉक्टर निधि उनियाल पर ही नौकरशाह की पत्नी से मांगने का दबाव बनाया गया लेकिन डॉ निधि ने माफी मांगने से इनकार कर दिया।माफी मांगने से इंकार करने के कुछ देर बाद ही आश्चर्यजनक रूप से स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ.निधि उनियाल का सोबनसिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान व शोध संस्थान अल्मोड़ा के लिए तबादला किये जाने का आदेश जारी कर दिया गया। डॉक्टर निधि ने इस तबादले का विरोध करते हुए इसे अपना उत्पीड़न माना और नौकरी से ही त्यागपत्र दे दिया। डॉ. उनियाल ने पूरे घटनाक्रम से विभाग को अवगत कराते हुए अपना इस्तीफा देते हुए इसकी जानकारी विभागीय मंत्री और मुख्यमंत्री को भी दी है।जिसपर मुख्यमंत्री ने तबादला निरस्त कर मामले की जांच अपर मुख्य सचिव को सौंपी है।इस प्रकरण में प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज शर्मा ने कहा कि गुलामों की तरह नेताओं व अधिकारियों के घर डॉक्टर्स को भेजना गलत परम्परा है। डॉक्टर्स साथ दे तो वह प्रथा को खत्म करवाने के लिए आवाज उठाएंगे।भाकपा माले के गढ़वाल प्रभारी इन्द्रेश मैखुरी ने कहा कि अस्पताल में मरीजों का इलाज छोड़ कर, अपनी पत्नी के इलाज के लिए डॉक्टर को भेजना स्वास्थ्य सचिव की पहली गलती है। स्वास्थ्य सचिव की पत्नी, ऐसे किसी गंभीर रोग से ग्रसित नहीं हैं कि वह अस्पताल न आ सकें। अधिकारी और उनके परिजन कोई राजा या सामंत नहीं हैं। ना ही डाक्टर समेत बाकी सरकारी कर्मचारी, अफसरों के जरखरीद गुलाम हैं। जिन्हें मात्र इसलिए प्रताड़ित किया जाये कि उनसे अधिकारियों के परिजनों की शान में गुस्ताख़ी हो गयी है।

मैखुरी ने कहा कि पहले ही सरकारी डाक्टरों की कमी से जूझ रहा उत्तराखंड, अफ़सरी सनक के लिए डॉक्टरों को खोना गंवारा नहीं कर सकता। इस अफ़सरी सनक और हनक पर मुख्यमंत्री को लगाम लगानी चाहिए।

प्रोटोकॉल के अनुसार सरकारी चिकित्सक को केवल मुख्यमंत्री अथवा राज्यपाल के आवास पर ही उपचार के लिए बुलाया जा सकता है। किसी भी अन्य सरकारी पदासीन व्यक्ति के निवास पर सामान्य परिस्थिति में चिकित्सक को नहीं बुलाया जा सकता। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पद पर रहते नारायण दत्त तिवारी, हरीश रावत, डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेन्द्र सिंह रावत, तीरथ सिंह रावत आदि बीमार होने की दशा में स्वयं ही चिकित्सालय जाते रहे हैं।

प्रदेश भर में इस प्रकरण को लेकर गुस्सा हैं ऐसे में सरकार ऐसे अधिकारियो को सबक सिखाये यह लोगो की मांग हैं ।ऐसे में क्या मनीषा पंवार जो खुद आईएएस अधिकारी हैं ।वह सही जाँच करेंगी हालांकि इस तरह की जाँच का क्या नतीजा निकलता हैं क्या नहीं ये तो वक्त बताएगा, लेकिन सरकार को जनता के जज़्बात को समझना होगा जनता पंकज पांडेय के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग कर राही हैं ऐसे में मामला ठंडे बस्ते में डाला तो जनता का विश्वास टूट जाएगा।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि छोटी सी बात पर डॉक्टर से विवाद और उसके बाद तबादले के आदेश से वह आश्चर्यचकित हैं। डॉक्टर का पेशा बेहद संवेदनशील होता है। हमें उनका सम्मान करना चाहिए। डॉक्टर से विवाद और फिर छोटी सी बात पर तबादला करना ठीक नहीं है। इससे जनता में अच्छा संदेश नहीं गया है।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए स्वयं राजकीय दून मेडिकल के अस्पताल पहुंचे थे।बिजली चली जाने व जनरेटर न चल पाने पर मोबाइल की रोशनी में ही अपना चेकअप और जरूरी जांचे कराने के बाद हरीश रावत ने कहा कि इसका समाधान निकाला जाना चाहिए था। पहले तो डॉक्टर को किस प्रोटोकॉल के तहत सचिव की पत्नी का स्वास्थ्य जांचने के लिए उनके घर भेजा गया। वह खुद मुख्यमंत्री रहते भी डॉक्टरों को कम से कम बुलाते थे। यही नहीं कई बार वह खुद स्वास्थ्य जांच कराने मुख्यमंत्री रहते हुए भी अस्पताल पहुंचते थे। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर खुद भी यह संदेश देने की कोशिश की कि बिना प्रोटोकॉल के सरकारी डॉक्टर को स्वास्थ्य जांचने के लिए घर पर बुलाना ठीक नहीं है। वहीं वीआईपी कल्चर को लेकर भी हरीश रावत ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर रोक लगनी चाहिए। (लेखक- श्री. गोपाल नारसन / ईएमएस)

कब तक रहेगी हालात की मारी प्रकृति बेचारी?

सच में प्रकृति की अनदेखी वो बड़ी भूल है जो पूरी मानवता के लिए जीवन, मरण का सवाल है। बस वैज्ञानिकों तक ज्वलंत विषय की सीमा सीमित कर कर्तव्यों की इतिश्री मान हमने वो बड़ी भूल या ढिठाई की है जिसका खामियाजा हमारी भावी पीढ़ी भुगतेगी। इसे हम जानते हैं, लेकिन फिर भी हैं कि मानते नहीं। इसे नाइंसाफी कहें या गद्दारी, कुछ भी कह लें लेकिन सच है। यह कभी क्यों नहीं चुनावी एजेण्डा बनता कि राजनीतिक दलों, उनके आकाओं, जनप्रतिनिधियों तथा नुमाइन्दगी का ख्वाब देखने वालों को तेजी से बदल रही प्रकृति और उसके कारणों के बारे में कितना पता है? सच तो यह है कि राजनीति की बिसात में हर कहीं अगर कोई गच्चा खाता है तो वह है वही प्रकृति जिसकी बदौलत ही हम हैं, हमारा अस्तित्व है। ऐसे सवाल जायज हैं, उठने भी चाहिए। पर्यावरण-प्रदूषण की चिन्ता राजनीति में सबसे ऊपर होनी चाहिए। लेकिन सभी राजनैतिक दलों ने बेशर्म खामोशी ओढ़ी हुई है।

लगता नहीं कि पर्यावरण और प्रदूषण भी अहम चुनावी मुद्दा बनते तो अस्तित्व के भविष्य की चिन्ता करने की ईमानदार पहल जरूर कहलाती? चुनावी चकल्लस और नेताओं के लुभावने वादों के बीच न तो कोई धरती की चिन्ता करने वाला है और न कोई भू-गर्भ और आसमान को लेकर गंभीर दिख रहा है। शायद इनका चुनावों से सीधा वास्ता जो नहीं है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इतनी सी भूल या भुलाने की कोशिश जीवन पर धीरे-धीरे भारी पड़ती जा रही है।

हर साल बाढ़ की बढ़ती भयावहता, धरती की बढ़ती तपन, तेजी से कटते जंगल, रेत से चलते छलनी होती नदियाँ, गिट्टियों में तब्दील होते पहाड़, अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हमारी भविष्य की पीढ़ी के लिए बड़ा अभिशाप है। उससे भी दुखद यह कि सबको, सब कुछ पता है लेकिन फिर भी गंभीर कोई दिखता नहीं है। शायद यही कारण है कि देश के किसी भी राजनैतिक दल के अहम मुद्दों में ऐसे विषय शामिल ही नहीं हैं! कब तक नहीं रहेंगे यह भी नहीं पता। प्रदूषित होती नदियां जितनी चिन्ता का विषय हैं उससे बड़ी चिन्ता मानव निर्मित वो कारण हैं जो इसके मूल में हैं। केवल भारत के संदर्भ में बात करें तो भारत में अब 'जल क्रान्ति' की जरूरत है। पेयजल और सिंचाई के लिए घटते और सूखते जलस्त्रोंतों की चिन्ता करनी होगी। वाकई लोगों को स्वस्फूर्त इस पर सोचना ही होगा। लोग जागरूक हों और कुछ करें तभी सकारात्मक नतीजे निकलेंगे वरना आयोग, बोर्ड, ट्रिब्यूनल बनते हैं, बनते रहेंगे। बहस, सुनवाई, फैसले होंगे, महज औपचारिकताओं की पूर्ति होगी और हर गांव, कस्बे, शहर, महानगर की आबादी की गंदगी का आसान और निःशुल्क वाहक बनीं नदियां दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होंगी, सूखेंगी और मरती रहेंगी।

तीन दशकों से जारी गंगा की सफाई हमेशा चर्चाओं में रही। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व की तल्ख टिप्पणी जिसमें मौजूदा कार्ययोजनाओं से क्या गंगा 200 साल में भी साफ हो पाएगी, बेहद मायने रखती है। सच में कदम तो वो हों जिससे गंगा अपनी पुरानी भव्यता यानी प्रिस्टीन ग्लोरी हासिल कर सके। यह दशा, कहानी या सच्चाई उस गंगा की है जो मोक्ष दायिनी है जो खुद अपने मोक्ष को तरस रही है। नर्मदा और भी श्रेष्ठ मानी गयी है। पद्म पुराण में लिखा है 'पुण्या कनखले गंगा, कुरुक्षेत्रे सरस्वती। ग्रामे वा यदि वारण्ये, पुण्या सर्वत्र नर्मदा ॥' अर्थात गंगां को कनखल तीर्थ में विशेष पुण्यदायी माना जाता है, सरस्वती को कुरुक्षेत्र में, किन्तु नर्मदा चाहे कोई ग्राम हो या फिर जंगल सर्वत्र ही विशेष पुण्य देने वाली है। ऐसी पवित्र नर्मदा अपने उद्गम अमरकण्टक के उद्गम कुण्ड से ही प्रदूषित होने लगती है। भारत के 27 राज्यों में 150 नदियां प्रदूषित हैं लेकिन इसकी चिन्ता किसे?

थोड़ा पीछे चलना होगा। 5 साल पहले देश में धान का कटोरा कहा जाने वाला छत्तीसगढ़ उसमें भी खास पहचान लिया बिलासपुर 23 मई 2017 को बेहद तेजी से, एकाएक 50 डिग्री सेल्सियस का तापमान छूकर चर्चाओं में आ गया था। वायुमण्डल में घुली कार्बन डाई ऑक्साइड, पराबैंगनी विकरण के सोखने और छोड़ने से हवा, धरती और पानी तीनों गर्म होते हैं। पिछली आधी सदी में कोयला-पेट्रोलियम के धुंएं ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक हदों तक पहुंचा दिया। सामान्यतः सूर्य की किरणों से आने वाली ऊष्मा का एक हिस्सा वायुमण्डल को जरूरी ऊर्जा देकर, अतिरिक्त विकिरण धरती की सतह से टकराकर वापस अन्तरिक्ष को लौटता है। लेकिन यहां मौजूद ग्रीनहाउस गैसें, लौटने वाली अतिरिक्त ऊष्मा को भी सोख लेती हैं जिससे धरती की सतह का तापमान बढ़ जाता है।

मार्च तो बीत गया लेकिन गर्मी के तेवर मार्च के दूसरे हफ्ते से ही असहनीय से हो गए। अगले तीन महीनों का हाल समझा जा सकता है। वर्षा जल संचय के लिए ठोस प्रबंधन और जनजागरूकता के लिए कुछ ही हफ्तों में बड़ी-बड़ी बातें सुनाई देंगी। बस आदेश-निर्देश की हर रोज फेहरिस्तें निकलने लगेंगी। लेकिन जब तक कुछ करने या पानी को बचाने पर अमलीजामा पहनाने के लिए दौड़ते कागजी घोड़े थमेंगे तब तक बारिश निकल चुकी होगी। यह हकीकत है। बस इन्हीं दिखावे या औपचारिकताओं ने पेयजल की किल्लत को और बढ़ाया है। नए हिमखण्डों के लिए उचित वातावरण नहीं हैं। जो बचे हैं वो पर्यावरण असंतुलन से पिघल रहे हैं। पृथ्वी पर 150 लाख वर्ग कि.मी. में करीब 9-10 प्रतिशत हिमखंड बचे हैं। ठण्ड के साथ गैस चैम्बर बनते महानगर, झील से सड़कों तक फैलता केमिकल झाग, सूखे तालाब, लापता होते पोखर, समतल होते सूखे कुएँ उसके बावजूद अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन खासकर भारत में बड़ी चिन्ता का विषय है।

कभी सोचा है कि लगातार बीमार हो रही धरती को सेहतमंद बनाने और उसके स्वस्थ जीवन के लिए पहाड़, जंगल, नदी, तालाब, पोखर बचाना, उन्हें जिन्दा रखना जरूरी है या क्रंक्रीट के जंगल, कल-कारखाने, पॉवर प्लाण्ट की चिमनियों और धुंए के गुबार के बीच मानव निर्मित हिरोशिमा-नागासाकी से भी बड़ा सच बनाना जो चुपचाप, बिना आवाज दुनिया के मुंह बाएं खड़ा है। दुनिया के विकसित और विकासशील देशों में इसको लेकर बस चिन्ताएं दिखती हैं लेकिन भारत में पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर कितनी ईमानदार कोशिशें की जा रही हैं यह भी खुली आँखों दिखता है। काश राजनीतिक दलों के लिए जीवनदायिनी प्रकृति भी मुद्दा हो पाती और भारत के माथे को ऊंचा करने का दावा करने वाले तमाम राजनीतिक दल भी इसे समझ पाते! अब वह वक्त आ गया है जब एक कॉमन एजेण्डा होना चाहिए जहाँ राजनीति के बराबर प्रकृति के हालातों पर भी बहस हो और परिणाम दिखें। 21 वीं सदी में यह सोचना बेमानी तो नहीं लगता? बात बात राजनीतिज्ञों के ईमान की है, पता नहीं गंभीर होंगे भी या नहीं। फिलाहाल तो हर रोज हमारी धरती, हमारा आसमान प्रदूषण के नए-नए दंश को झेल रहा है। जिससे आम और खास, इंसान और परिन्दे, जानवर और कीड़े-मकोड़े, फसल और जंगल यानी सभी की साँस की डोर बंधी है, उसी की फिकर हमारे नुमाइन्दों को नहीं है? यब बेहद सोचनीय है। सभी की बेरुखी से डर बस इतना है कि कहीं आसमान का फेफड़ा पूरा न फट पाए और धरती का कलेजा सूख-सूख सिकुड़ न जाए! भला कौन और कब सोचेगा कि जब हम ही नहीं होंगे तब राजनीति कहाँ होगी? (लेखक- ऋतुपर्ण दवे/ ईएमएस)

हुक्का लाउंज पब संस्कृति, भटकती किशोर पीढ़ी!

वर्तमान में युवाओं में नशा करने की आदत तेजी से बढ़ रही है। अनेक प्रकार के नशे के साधन आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं।बच्चे किशोर अवस्था में एवं युवा होते ही सदमार्ग पर न चलकर भटक रहे हैं। इस भटकाव के लिये वर्तमान परिवेश तो दोषी है ही साथ ही माता-पिता पालकों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखें। यह देखें कि हमारे बच्चे कहाँ जा रहे हैं उनके मित्र कौंन है तथा देर रात तक कहाँ रहते हैं,क्या वे नशा कर रहे हैं।

वर्तमान में हुक्का से कश खींचकर नशा करने की प्राचीन पद्धति को आधुनिक रूप देकर हुक्का लाउंज एंड पब नाम दिया गया है। दिल्ली, मुबंई, कोलकाता, चेन्नई आदि बड़े महानगरों के माँलों में हुक्का पब संचालित हैं। एक घटना जो आज से लगभग दस वर्ष पूर्व की है उसका उल्लेख करना प्रासंगिक है दिल्ली के समीप गुरु ग्राम पूर्व नाम गुड़गांव में डीएलएफ सिटी सेंटर माँल में बबज इन पब एंड लाउंज में 100 लड़के लड़कियां शराब के नशे में पकड़े गये,पकड़े गये लड़के लड़कियों में सभी 14 से 20 वर्ष के बीच के थे और अच्छे स्कूलों में पढ़ते थे।ठसेक्स और स्मोकठ पार्टी का टाइटल था। एक लड़के के जन्मदिन पर दी जा रही इस पार्टी का निमंत्रण सोशल नेटबर्किंग साइड पर दिया गया था। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस पार्टी में जिन बच्चों ने भाग लिया था, उन्हे यह पता नही था, जन्मदिन किसका है। भारतवर्ष में अनेक प्रदेशों में विशेष रूप से हरियाणा, पंजाब, राजस्थान एवं राजस्थान से लगे हुए मध्यप्रदेश के कुछ क्षेत्र आदि में आज भी हुक्का से नशा करने का प्रचलन है। गाँव में चार या पाँच बुजुर्ग एक साथ बैठकर हुक्का से नशा करते है।हुक्का में तम्बाकू डालकर धुआं के कश लिये जाते है। कुछ वर्ष पहले तक देश में पब और लाउंज का नाम नहीं था। अचानक इनका जाल फैलता जा रहा है। पब होटलों और माँलों में चल रहे हैं युवाओं के साथ किशोर इनकी ओर जोर-शोर से आकर्षित हो रहे हैं। किशोरावस्था में बच्चों को पार्टी करना, घूमना पसंद होता है इस उम्र में वे हर वह काम करना चाहते हैं जो उन्होंने आज तक नहीं किया है। पब अथवा हुक्का लाउंज में किशोरों को निकोटिन भर कर परोसा जाता है, जिसे आज किशोर बड़े शौक से लेते है। सरकार ने हुक्का बार पर सन 2011 में क्रिमिनल प्रोसीजर कोड के सेक्सन 144 के तहत इसलिए रोक लगायी थी क्योंकि हुक्का बार बाले निकोटिन मिले तम्बाकू को ग्राहकों को दे रहे थे। परन्तु बार मालिकों ने कानून की धज्जियां उड़ा दी,और नये-नये नामों से हुक्का से नशा कराया जा रहा है। हुक्का का होटलों में कानून से बचाव के लिये परशियनसीसा,वोडका फ्लेवर अथवा हर्बल हुक्का के नाम से नशा कराया जा रहा है।। मेरे मित्र ने एक घटना सुनाई वे दिल्ली में एक माँल में शाँपिंग के लिये गये थे माँल में पब के बाहर एक महिला लम्बे समय से हंगामा कर रही थी वह चिल्ला-चिल्लाकर कह रही थी कि मेरा 14 वर्षीय बेटा पब के अंदर नशा कर रहा है। मुझे उसे लेने अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। यह देख रहे कुछ लोग बच्चे को दिये संस्कारों पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे थे, कुछ पब के मैंनेजर के व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं मनमानी का विरोध कर रहे थे। पब के मैंनेजर का कहना था कि इस उम्र में लड़के पब में आते ही हैं। कुछ देर में लड़का बाहर आया और महिला अपने बेटे को लेकर चली गई। विचारणीय प्रश्न यह है कि ऐसा क्या आकर्षण है किशोर पीढ़ी में जो अपने परिजनों से झूठ बोलकर पब में जाने मजबूर हो रहे हैं। अचानक आयी पब संस्कृति की ओर किशोर भागे जा रहे है और कानून कागजों की शोभा बढ़ा रहा है। पब संचालकों व कानून के रक्षकों की मिलीभगत से ही यह विकृति नई पीढ़ी में जोर से बढ़ रही है। गत चार वर्ष पूर्व हम सामाजिक मीटिंग में भाग लेने दिल्ली रेल से पहुंचे। रेल से रविवार को प्रातः 6 बजे हजरत निजामुद्दीन रेल स्टेशन पर उतरे। स्टेशन से बाहर निकल कर टेक्सी से गंतव्य की ओर प्रस्थान किया तो हम देखते हैं युवा युवक युवतियों की भारी भीड आ रही है। मैंने अपने अभिन्न मित्र से जिज्ञासा से पूछा यह भीड़ कहाँ से आ रही है? उन्होंने कहा ये लड़के लड़की वे है जो उच्च अध्ययन हेतु दिल्ली आये है। ये शनिवार को रात में होटल पहुंचते हैं, होटल में सारी रात वाय फ्रेंड और गर्ल फ्रेंड के जोड़े तरह तरह के नशे,सेक्स और मौज मस्ती करते हैं। ये सब सुबह होटल से निकल कर घर जा रहे हैं। मित्र ने कहा माता-पिता यह समझ रहे है हमारा बेटा या बेटी पढ़ाई कर रहे हैं। पढ़कर बड़े इंजीनियर या अधिकारी बनेंगे, जबकि बच्चे माँ बाप को धोखा दे रहे हैं।

पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव से संयुक्त परिवार समाप्त होने के साथ एकल परिवार की परंपरा चल रही है। संयुक्त परिवार में चाचा-चाचाजी, बड़े भाई-भाभी,बहन परिवार के छोटे किशोरों को साथ रखकर संस्कार देते थे, परिवार के रीति रिवाज सिखाते थे, उनके क्रियाकलापों पर नजर रखते थे। एकल परिवार में माता-पिता दोनों नौकरी में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में किशोर अकेलेपन में दोस्तों की तलाश करते हैं, दोस्तों के साथ अकेलापन दूर करने पब और होटलों के माध्यम से नशा करने की बुरी आदतों में पड़ रहे हैं। सम्पन्न परिवार के बच्चे पब में जाना फेंसन और स्टेट्स की बात मानते हैं। पब एवं हुक्का लाउंज के माध्यम से 14 से 18 वर्ष के बच्चे जो स्कूल कालेज में पढ़ते हैं, उनमें नशे की बढ़ती प्रवृत्ति रोकना माता-पिता के साथ साथ शिक्षकों, प्राचार्यों की जिम्मेदारी है। किशोरावस्था में नशे की लत किशोरों का जीवन बर्वाद कर रही है। (लेखक- विजय कुमार / ईएमएस)

आज का इतिहास 5 अप्रैल

1355 चार्ल्स चतुर्थ रोम की गद्दी पर बैठे.

1827 आधुनिक शल्य चिकित्सा में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले ब्रिटिश सर्जन जोसेफ लिस्टर का जन्म हुआ.

1902 ग्लासगों में स्काटलैंड और इंग्लैंड के बीच फुटबाल मैच के दौरान दुर्घटना में 20 व्यक्ति मरे और 20 अन्य घायल हो गए.

1919 भारत व्यावसायिक जहाजरानी की शुरूआत लिबर्टी नामक जहाज की प्रथम यात्रा से हुई.

1930 गांधीजी नमक कानून तोड़ने डांडी पहुंचे.

1949 भारत स्काऊटस और गाइड की स्थापना हुई.

1955 इंग्लैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टन चर्चिल ने इस्तीफा दिया.

1956 महात्मा गांधी के पुत्र मणिलाल गांधी का फोइनिक्स में निधन.

1964 राष्ट्रीय जहाजरानी दिवस का आयोजन पहली बार किया गया.

1964 भूटान के प्रधानमंत्री जिम्मे दोरजी की हत्या हुई.

1971 मुंबई में भारत में नौसेना के पहले संग्रहालय का उद्घाटन हुआ.

1984 राकेश शर्मा भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री बने.

1988 अरब बंदूकधारियों ने कुवैत के एक विमान का 115 यात्रियों सहित अपहरण कर लिया.

1995 इजरायल ने जासूसों के लिए ओफेक 3 उपग्रह का प्रक्षेपण किया.

दैनिक पंचांग

05 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2022 वर्ष का 95 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 15.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 16.52 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 07.59 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 15.46 बजे तदनन्तर बव 04.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 59'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871209
जूलियन दिन 2459674.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान
तारीख 03
विशेष लक्ष्मी पंचमी, विनायक चतुर्थी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.20 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.00 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	09.58 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.12 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.28 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.40 बजे से
शनि	मकर में	तुला	18.50 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.05 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.21 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	01.26 बजे से
		कुंभ	03.13 बजे से
		मीन	04.46 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7246

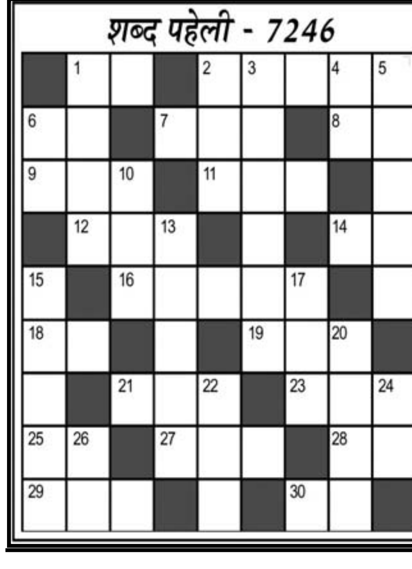

बाएं से दाएं
1. आस्तिक,अनुगामी,पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी)-3
11. गति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण,खार-3
21. बख्तरबंद,आवरण-3
23. पासों से फेंका जाना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम,कोमल-3
28. उस समय-2
29. प्रमाण,पुष्पना-3
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे
1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा,काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न,न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर,होंठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 7245 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

आईसीसी की महिला टीम में हीली सहित चार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टीम में एकदिवसीय महिला विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम की चार सदस्यों को शामिल किया गया है पर इसमें भारतीय टीम की किसी भी खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। : ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ियों को विश्व कप में प्रदर्शन के आधार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की (मोस्ट वैल्यूएबल टीम) में जगह मिली है।

आईसीसी ने सोमवार को अपनी इस टीम की घोषणा की। इसमें विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी एलिसा हीली भी शामिल है। हीली ने खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 170 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग को इस टीम का कप्तान बनाया गया है और इसमें राचेल हेन्स और बेथ मूनी भी शामिल की गयी हैं। हीली ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 509 जबकि हेन्स ने 497 रन बनाए थे।

आईसीसी की टीम इस प्रकार है :

मेग लैनिंग (कप्तान), एलिसा हीली (विकेटकीपर), राचेल हेन्स, बेथ मूनी (सभी आस्ट्रेलिया); लौरा वोल्वार्ट, मैरिज़ान कैप, शबनीम इस्माइल (सभी दक्षिण अफ्रीका); सोफी एक्लेस्टोन, नेट साइवर (दोनों इंग्लैंड), हेली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), सलमा खातून (बांग्लादेश)।

बारहवीं खिलाड़ीः चार्ली डीन (इंग्लैंड)

दक्षिण अफ्रीका ने पहले क्रिकेट टेस्ट में बांग्लादेश को 220 रनों से हराया

डरबन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने पहले क्रिकेट टेस्ट में मेहमान टीम बांग्लादेश को 220 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच के पांचवें और अंतिम दिन केवल एक घंटे के अंदर ही बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 53 रनों पर ही सिमट गयी। दूसरी पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज केवल 19 ओवर तक ही खेल पाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 32 रन देकर सात जबकि ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने 21 रन देकर तीन विकेट लिए।

मैच के अंतिम दिन बांग्लादेश की टीम 274 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी। हालात यहां तक खराब थे कि केवल दो बल्लेबाज नजमुल हुसैन शंटो 26 और तास्किन अहमद 14 ही दो अंकों तक पहुंच पाये। बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही ओर उसने 11 रनों के अंदर ही अपने शुरुआती तीन विकेट खो दिये थे। विकेट गिरने का यह सिलसिला अंतिम दिन भी जारी रहा।

अहमदाबाद के साथ ही लखनऊ में भी हो सकते हैं प्लेऑफ मुकाबले

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र के लीग दौर के मुकाबले जारी है। इसके बाद अगले माह प्लेऑफ मैच खेले जाएंगे जो अहमदाबाद में होने हैं। वहीं अब संभावना जतायी जा रही है कि ये मैच दो शहरों में होंगे और इसमें दूसरा नाम लखनऊ का सामने आया है हालांकि इस पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं आया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ और अहमदाबाद को प्लेऑफ में मेजबानी का अधिकार मिल सकता है। अगर सब कुछ ठीक चला तो लखनऊ पहले क्वालीफायर और एलिमिनेटर की मेजबानी कर सकता है जबकि अहमदाबाद को दूसरे क्वालीफायर और फाइनल की मेजबानी मिलेगी।

वहीं यह भी कहा गया है कि इस साल लखनऊ और अहमदाबाद शामिल हुए हैं। ऐसे में यह अच्छा रहेगा कि प्लेऑफ मैच क्रमशः लखनऊ और अहमदाबाद में आयोजित हों। इसको लेकर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होने वाली बैठक में लिया जाएगा।

अभी सभी लीग मैच महाराष्ट्र के पुणे और मुम्बई में हो रहे हैं जिससे खिलाड़ियों को कम यात्राएं करनी पड़ें। इसमें भाग लेने वाली सभी 10 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। इस बार आठ की जगह दस टीमें होने से मुकाबले बढ़े हैं। ऐसे में लीग चरण के मुकाबले दो शहरों- मुंबई और पुणे में वानखेड़े, सीसीआई-ब्रेबोर्न और डीवाई पाटिल स्टेडियम के अलावा महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के पुणे स्टेडियम में हो रहे हैं।

टेलर ने संन्यास लिया

हैमिल्टन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। टेलर ने नीदरलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। इस मैच में इस बल्लेबाज ने हालांकि 14 रन ही बनाये पर दर्शकों ने पेवेलियन लौटते समय खड़े होकर इस स्टार खिलाड़ी का अभिवादन किया। टेलर का यह न्यूजीलैंड के लिये 450वां और अंतिम मैच था। इसी के साथ ही इस खिलाड़ी का 16 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया।

इस बल्लेबाज ने इस साल की शुरूआत में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला था पर वह अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क पर ही खेल करियर का समापन करना चाहते थे। इस अंतिम मैच में राष्ट्रगान के दौरान टेलर के बच्चे मैकेंजी, जोंटी और एडिलेड उनके साथ ही नजर आये। जब वह मैदान पर उतरे और वापस लौटे तो नीदरलैंड के खिलाड़ी उनके सम्मान में दोनों तरफ खड़े नजर आये। टेलर ने इस अवसर पर कहा, 'मैं हमेशा हालातों के अनुसार और चेहरे पर मुस्कान लेकर खेला। मैंने पूरे गर्व और सम्मान के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। मैं शुरू से देश के लिए खेलना चाहता था।

गौरतलब है कि टेलर ने साल 2006 में न्यूजीलैंड के लिए अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इसके अगले वर्ष उन्होंने अपना पहला टेस्ट खेला। उन्होंने 112 टेस्ट मैचों में 19 शतकों की सहायता से 7,683 रन बनाए। टेलर ने 236 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8,593 रन और 102 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,909 रन बनाए हैं। टेलर दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीनों प्रारूप में 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

एमबापे , नेमार ने पीएसजी को जीत दिलायी

पेरिस (ईएमएस)। काइलन एमबापे और नेमार के शानदार प्रदर्शन की सहायता से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब ने लोरिएंट क्लब को 5-1 से हरा दिया। इसी के साथ ही फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में टीम के 10वां खिताब जीतने की उम्मीदें भी बनी हुई हैं। एमबापे ने दो गोल करने के अलावा बाकी तीन गोल करने में भी सहयोग किया जिससे उनकी टीम को यह जीत मिली है।

वहीं नेमार ने भी एमबापे की सहायता से 12वें मिनट में पीएसजी की ओर से पहला गोल दागा। नेमार ने एमबापे की सहायता से 90वें मिनट में अपना दूसरा और टीम की ओर से पांचवां गोल किया। वहीं एमबापे ने 28वें और 67वें मिनट में गोल किये थे। उन्होंने 73वें मिनट में स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को चौथा गोल करने में भी सहायता दी। लीग में अब जबकि आठ दौर का खेल बचा हुआ है तब पीएसजी दूसरे नंबर की टीम मार्सेली से करीब 12 अंक आगे हो गयी है। पीएसजी के 68 और मार्सेली के 56 अंक हो गये हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जूनियर विश्व कप में वेल्स को हराया

पोचेफ्स्टूम (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप में वेल्स को 5-1 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की है।सलीमा टेटे की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने पूल के शुरुआती मैच में वेल्स को 5-1 से शिकस्त दी। भारतीय टीम के लिए लालरेमसियामी ने चौथे, लालरिंडीकी ने 32वें और मुमताज खान ने 41वें मिनट में मैदानी गोल किये। वहीं लालरिंडीकी ने 57वें और दीपिका ने 58वें मिनट में 2 पेनल्टी कॉर्नरों को गोल में बदल कर अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया जबकि दूसरी ओर वेल्स की तरफ से एकमात्र गोल मिली होम ने 26वें मिनट में किया। मैच में भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाते हुए हमले शुरु किये , इससे उसे शुरू में ही पेनल्टी कॉर्नर मिल गया पर भारतीय टीम उसे गोल में नहीं बदल पायी।

वेल्स ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल के जरिए स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया पर तीसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में भारत ने लालरिंडीकी के मैदानी गोल से स्कोर फिर 2-1 कर दिया। भारतीयों ने दबाव बनाते हुए 41वें मिनट में मुमताज के गोल से 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद से भारतीयों टीम की रक्षापंक्ति ने वेल्स के हमलों को नाकाम कर दिया जबकि भारतीय टीम के हमले जारी रहे। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये पर भारतीय खिलाड़ी इन अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। मैच समाप्त होने से 4 मिनट पहले ही दीपिका को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे भारतीय टीम का स्कोर 4-1 हो गया। भारतीय टीम अब पूल डी के दूसरे मैच में जर्मनी से खेलेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बढ़त दर्ज की गयी। बाजार में यह तेजी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में हुई लिवाली (खरीददारी) के साथ ही एचडीएफसी लिमिटेड के एचडीएफसी बैंक में विलय के कारण भी आई है। इससे एचडीएफसी के शेयरों में जबरदस्त उछाल आया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1335.05 अंक करीब 2.25 फीसदी की बढ़त के साथ ही 60,611.74 के स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 382.95 अंक तकरीबन 2.17 फीसदी की तेजी के साथ ही 18053.40 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह बीएसई सेंसेक्स 839 अंक की तेजी के साथ 60,116 के स्तर पर खुला जबकि निफ्टी 224 अंक उछलकर 17,895 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार बढ़त के साथ ही बंद हुआ था।

देश की सबसे बड़ी आवास वित्त कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक में विलय की खबर से बाजार में उत्साह का माहौल है। एचडीएफसी बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि विलय की योजना आरबीआई और सेबी सहित विभिन्न नियामक मंजूरियों के अधीन है। विलय योजना के अनुसार सौदा पूरा होने पर एचडीएफसी बैंक का 100 फीसदी हिस्सा सार्वजनिक शेयरधारकों के पास होगा, और एचडीएफसी के मौजूदा शेयरधारकों के पास बैंक का 41 फीसदी हिस्सा होगा। सेंसेक्स के अन्य शेयरों में कोटक बैंक, एचयूएल, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक और सन फार्मा लाभ में रहे। दूसरी तरफ टाइटन और इन्फोसिस में गिरावट रही।

नवरात्र और रमजान में फल हुए महंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। नवरात्र शुरू होने के अगले ही दिन से रमजान का महीना शुरू हो गया। इन सब वजह से फलों के दाम आसमान में पहुंच गया। केला भी इन दिनों तेवर दिखा रहा है। आम दिनों में यह 30 से 40 रुपए दर्जन मिलता है। इस समय इसका भाव 60 रुपए दर्जन हो गया है। सेब और संतरा जैसे फलों का भाव ही मत पूछिए। सहिबाबाद फल एवं सब्जी मंडी से थोक में एक फल कारोबारी बताते हैं कि नवरात्र शुरू होने से एक दिन पहले से ही फलों के भाव चढ़ गए। नवरात्र शुरू होने की वजह से घर-घर में फलों की मांग बढ़ गई है। जबकि सप्लाई में उतनी वृद्धि नहीं हुई। उनका कहना है कि थोक में जो केला पहले 20 रुपए दर्जन मिल जाता था, वह अभी 40 रुपए दर्जन मिल रहा है। इसलिए मजबूरन दाम बढ़ाना पड़ा है। हां, पतला और छोटा केला हो तो अभी भी यह 40 रुपए दर्जन मिल रहा है। नवरात्र के पहले ही दिन केला 60 रुपए प्रति दर्जन पर चला गया। औसत किस्म का सेब 90 से 120 रुपए किलो तक बिक रहा है। संतरा भी अब महंगा हो गया है। यह बाजार में 70 से 90 रुपए किलो तक बिक रहा है। यदि संतरे का साइज छोटा हो तो यह 40 रुपए किलो भी मिल जाएगा। अंगूर के भाव में भी 20 से 30 रुपए का उछाल आया है। सहिबाबाद मंडी के आढ़तियों का कहना है ?कि महंगाई की वजह माल भाड़ा बढ़ना भी है।

वित्त वर्ष 2022-23 में 7.4 प्रतिशत रह सकती है जीडीपी वृद्धि दरः रिपोर्ट

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। एक सर्वेक्षण ?रिपोर्ट के मुता?बिक वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ती हुई कीमतें वैश्विक आर्थिक पुनरुद्धार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है। चालू वित्त वर्ष के आ?खिर तक रेपो दर में 50-75 आधार अंक की वृद्धि हो सकती है। सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि आरबीआई अगले हफ्ते की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर को अपरिवर्तित रखकर आर्थिक पुनरुद्धार को अपना समर्थन बरकरार रख सकता है। इस रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद जताई गई है। हालांकि रिपोर्ट में वृद्धि से जुड़े जोखिमों को लेकर भी सतर्क किया गया है। इसके मुताबिक रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग वैश्विक पुनरुद्धार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस सर्वेक्षण में शामिल अर्थशास्त्रियों का यह भी मानना है कि वैश्विक मुद्रास्फीति के पहली छमाही में बढ़ने की आशंका है लेकिन उसके बाद इसमें नरमी आ सकती है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से बढ़ सकती है वाहनों की कीमतें

डेट्रॉयट (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच बीएमडब्ल्यू ने जर्मनी स्थित अपने दो कारखानों में उत्पादन रोक दिया है, मर्सिडीज अपने संयंत्रों में काम धीमा कर रही है और फॉक्सवैगन ने उत्पादन रुकने की चेतावनी देते हुए कलपुर्जों के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करने की बात कही है। वैश्विक ऑटो क्षेत्र एक साल से अधिक समय से सेमीकंडक्टर चिप और अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों की कमी से जूझ रहा है, जिससे उत्पादन कम हो गया है, आपूर्ति धीमी हो गई है और कीमतों में इजाफा हुआ है। इस बीच यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा छेड़े गए युद्ध से हालात और बिगड़ गए हैं, क्योंकि यूक्रेन से आने वाली बिजली की वायरिंग की अचानक भारी किल्लत हो गई है। खरीदार अधिक होने, कलपुर्जों की कमी और युद्ध के कारण नए व्यवधानों से गाड़ियों की कीमतें अगले साल और भी बढ़ सकती हैं। फिलहाल युद्ध के कारण यूरोप में उत्पादन प्रभावित हो रहा है, लेकिन आखिरकार अमेरिका में भी उत्पादन पर इसका असर होगा।

मार्च में भारत की विनिर्माण गतिविधियों में आई नरमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की विनिर्माण गतिविधियों में मार्च 2021 में नरमी देखने को मिली और इस दौरान मुद्रास्फीति की चिंताओं के चलते कारोबारियों का भरोसा कम होने से कंपनियों के नए ऑर्डर और उत्पादन की रफ्तार कम हुई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में 54.0 पर था, जो फरवरी में 54.9 पर था। मार्च के आंकड़े उत्पादन और बिक्री में सितंबर 2021 के बाद से सबसे कमजोर वृद्धि को दर्शाते हैं। हालांकि लगातार नौ महीनों से कुल परिचालन दशाओं में सुधार का रुख जारी है। पीएमआई की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल की एक अर्थशात्री ने कहा कि कि वित्त वर्ष 2021-22 के आ?खिरी में भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि कमजोर हुई है और कंपनियों ने नए ऑर्डर तथा उत्पादन में नरमी की बात कही है। इस दौरान रासायन, ऊर्जा, कपड़ा, खाद्य पदार्थ और धातु जैसे क्षेत्रों में कच्चे माल की लागत बढ़ी।

देश में अब भरपूर होगा ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन

- तीन ?दिग्गज कंपनियों ने एक जॉइंट वेंचर कंपनी बनाने आपस में किया समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में ग्रीन हाइड्रोजन की जरूरत को देखते हुए तीन दिग्गज कंपनियां एक साथ आई हैं। ये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो और रिन्यू पावर हैं। इन तीनों कंपनियों ने एक जॉइंट वेंचर कंपनी बनाने के लिए आपस में समझौता किया है। यह कंपनी भारत में ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर विकसित करने का काम करेगी। ये तीनों ही कंपनियां अपने-अपने क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां हैं। ऐसे में इस नए वेंचर में इन तीनों कंपनियों की विशेषज्ञता शामिल होगी। एलएंडटी ईपीसी परियोजनाओं को डिजाइन करने, क्रियान्वित करने और वितरित करने में एक मजबूत साख रखती है। इंडियन ऑयल पेट्रोलियम रिफाइनिंग में विशेषज्ञता के साथ ही सभी ऊर्जा स्रोतों में अपनी उपस्थिति रखता है। वहीं रिन्यू बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा समाधान विकसित करने और उसकी पेशकश करने के लिए जानी जाती है। इसके अतिरिक्त ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में उपयोग होने वाले इलेक्ट्रोलाइजर्स को बनाने और बेचने के लिए इंडियन ऑयल और एलएंडटी ने एक जॉइंट वेंचर पर समझौता किया है। इस समझौते पर इंडियन ऑयल के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैध ने कहा ?कि हम कार्बन उत्सर्जन को कम करने कि दिशा में देश की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ग्रीन हाइड्रोजन में देश की क्षमता बढ़ाकर ऐसा करना चाहते हैं।

वहीं एलएंडटी के सीईओ और एमडी एसएन सुब्रमण्यम ने कहा ?कि भारत कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दिशा में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन बेहद महत्वपूर्ण है। इंडियन ऑयल-एलएंडटी-रिन्यू जॉइंट वेंचर औद्योगिक स्तर पर ग्रीन हाइड्रोजन की सप्लाई के लिए ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट्स के विकास पर केंद्रित है। रिन्यू पावर के चेयरमैन और सीईओ सुमंत सिन्हा ने कहा ?कि इस प्रस्तावित जॉइंट वेंचर की टाइमिंग महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हाल ही में घोषित भारत सरकार की ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी को सपोर्ट करती है। ग्रीन हाइड्रोजन एक जीरो कार्बन ईंधन होती है, जो अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बनाई जाती है। इसे बनाने के लिए इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के जरिए पानी के अणुओं को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग-अलग किया जाता है। हालांकि, हाइड्रोजन के उत्पादन में कोयले और प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है, जो काफी प्रदूषण फैलाते हैं। लेकिन अगर हाइड्रोजन के उत्पादन में अक्षय ऊर्जा का उपयोग हो और इससे कार्बन उत्सर्जन नहीं हो, तो यह ग्रीन हाइड्रोजन कहलाती है।

सीएनजी की कीमत 2.5 रुपए बढ़ी, नई दरें 04 अप्रेल से लागू

- एक महीने में सीएनजी की कीमत में सातवीं बार बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच सोमवार को एक बार फिर सीएनजी की कीमतें भी बढ़ गईं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली में सीएनजी की कीमत में 2.5 रुपए की बढ़ोतरी की है। इसके बाद शहर में इसकी कीमत 64.11 रुपए किलो हो गई है। नई कीमतें सोमवार 04 अप्रेल से लागू हो गई हैं। पिछले करीब एक महीने में इसकी कीमत में सातवीं बार बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली के अलावा नोएडा और गाजियाबाद में भी सीएनजी की कीमत में 2.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इन दोनों शहरों में अब सीएनजी की कीमत प्रति किलो 66.68 रुपए पहुंच गई है जो पहले 64.18 रुपए थी। इस बढ़ोतरी के बाद मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी 71.36 रुपए किलो पहुंच गई है। हरियाणा के गुरुग्राम में अब यह 72.45 रुपए, रिवाड़ी में 74.58 रुपए, करनाल और कैथल में 72.78 रुपए, कानपुर हमीरपुर और फतेहपुर में 75.90 रुपए और अजमेर, पाली तथा राजसमंद में 74.39 रुपए प्र?ति ?किलो हो गई है। सरकार ने एक अप्रैल को स्थानीय फील्ड से उत्पादित गैस की कीमत 2.9 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 6.10 अमेरिकी डॉलर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल इकाई कर दी थी। जानकारी के मुताबिक इससे आईजीएल के लिए गैस की की लागत बढ़ गई है। इसकी भरपाई के लिए सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी जरूरी हो गई थी। प्राकृतिक गैस की कीमत हर छह महीने पर बदलती है। इससे पहले अक्टूबर में गैस की कीमत में बढ़ोतरी की गई थी। देश में उत्पादित गैस की कीमत में बढ़ोतरी से रिलायंस और ओएनजीसी जैसी कंपनियों को फायदा होगा।

आईजीएल घरेलू फील्ड से प्राकृतिक गैस हासिल करती है और साथ ही आयातित एलएनजी भी खरीदती है। इससे पहले भी एक अप्रैल को भी सीएनजी की कीमत में 80 पैसे प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के कारण आयात होने वाली एलएनजी की कीमत भी रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। इससे आईजीएल के लिए गैस की कीमत बढ़ गई है। इस साल अब तक कीमत में 11 रुपए की बढ़ोतरी की जा चुकी है। इस बीच पेट्रोल और डीजल की कीमत में 22 मार्च के बाद से आज 12वीं बार बढ़ोतरी हुई। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमत में 8.40 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। 22 मार्च को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1000 रुपए पहुंच गई है। हाल में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी 250 रुपए बढ़ गई थी।

भारतीय मूल के कैंसर सर्जन डॉ पी रघु राम को ब्रिटेन का दूसरा सर्वोच्च सम्मान

-महारानी एलिजाबेथ की ओर से प्रिंस चार्ल्स, वेल्स के राजकुमार ने विंडसर महल में सम्मान दिया

-सम्मान स्तन कैंसर के इलाज में सुधार पर किए उल्लेखनीय कार्य, सर्जरी से जुड़ी शिक्षा के लिए मिला

लंदन(ईएमएस)। हैदराबाद के डॉ पी रघु राम को ब्रिटेन के दूसरे सबसे बड़े सम्मान मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश एम्पायर हासिल हुआ। पिछले 100 सालों में ब्रिटेन साम्राज्य के इस सर्वोच्च सम्मान को हासिल करने वाले वह पहले भारतीय मूल के सबसे युवा सर्जन है। महारानी एलिजाबेथ की तरफ से प्रिंस चार्ल्स, वेल्स के राजकुमार ने डॉ पी रघु राम को लंदन के विंडसर महल में यह सम्मान प्रदान किया। नाइटहुड-डेमेहुड के बाद ब्रिटेन साम्राज्य का यह दूसरा सबसे बड़ा सम्मान है। रिपोर्ट के मुताबिक डॉ रघु राम स्तन संबंधी बीमारियों के लिये बनाए गये किम्स-उषालक्ष्मी केंद्र के निदेशक और ऊषा लक्ष्मी स्तन कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक सीईओ हैं। उन्हें यह सम्मान स्तन कैंसर के उपचार में सुधार को लेकर किए गए उल्लेखनीय कार्य सर्जरी से जुड़ी शिक्षा को लेकर भारत और ब्रिटेन के रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए दिया गया।

डॉक्टर ने अपने इस सम्मान को अपने परिवार, मरीजों और किम्स को समर्पित किया। इसके साथ ही उन्होंने खुद को इस सम्मान से नवाजने के लिए महारानी को भी शुक्रिया अदा किया। यही नहीं डॉ रघु राम 2015 में पदमश्री और 2016 में डॉ बीसी रॉय राष्ट्रीय अवार्ड हासिल करने वाले भी सबसे युवा डॉक्टर में से एक हैं। उन्होंने दक्षिण एशिया का पहला व्यापक स्तन कैंसर से जुडे केंद्र की स्थापना की है। जिससे इस बीमारी को लेकर लोगों में जागरुकता फैल सके। यही नहीं दी असोसियेशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया के गठन में भी उनका अहम योगदान है। यह वह मंच है, जहां पर स्तन सर्जरी की कला और विज्ञान को जानने वाले सर्जन एक साथ होते हैं। डॉ पी रघु राम से पहले ओबीई सम्मान हासिल करने वालों में अभिनेता ओम पुरी, फुटबॉल खिलाड़ी डेविड बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम, क्रिकेटर बेन स्टोक्स, लेखक जेके राउलिंग और अभिनेत्री कियारा नाइटली शामिल हैं।

यूक्रेन में रूसी सेना की बर्बरता, 410 का कत्लेआम

-यूएन महासचिव ने जताई नाराजगी, स्वतंत्र जांच की मांग की

न्यूयार्क (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के हालात लगातार बिगड़ते ही जा रहे हैं। राजधानी कीव के नजदीक के बुका और कुछ अन्य कस्बों-गांवों में नागरिकों के 410 शव मिलने से रूसी सेना की बर्बरता की जमकर आलोचना हो रही है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुका मे हुई नागरिकों की हत्या की स्वतंत्र जांच की मांग की है। गुटेरेस ने घटना पर ट्वीट किया कि यूक्रेन के बुचा में मारे गए नागरिकों की तस्वीरों से मैं बहुत स्तब्ध हूं। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि एक स्वतंत्र जांच की जाए, जिसकी प्रभावी जवाबदेही तय हो। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे यूक्रेनी अधिकारियों द्वारा रची गई साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि शवों के वीडियो और तस्वीरें तस्वीर डालकर यूक्रेनी सरकार दुनिया भर को उकसा रही है। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने इस घटना को नरसंहार करार दिया है। एक कार्यक्रम में उनसे पूछा गया कि क्या रूस यूक्रेन में नरसंहार कर रहा है। इसके जवाब में ज़ेलेंस्की ने कहा कि वास्तव में यह नरसंहार है।

संयुक्त राष्ट्र में रूसी प्रथम उप दूत दिमित्री पोलांस्की ने इस घटना पर सोमवार के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का अनुरोध किया। स्पुतनिक ने पोलांस्की के हवाले से कहा बुचा में यूक्रेन के कट्टरपंथियों द्वारा किए गए उकसावे के मद्देनजर रूस ने मांग की है कि सोमवार दोपहर चार अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई जाए। उन्होंने कहा मास्को यूक्रेन और उनके पश्चिमी संरक्षकों को बेनकाब करेगा। आपको बता दें कि रविवार को कीव के पास बुका शहर में कथित तौर पर लिए गए फुटेज के साथ मीडिया रिपोर्टें सामने आईं। जिसमें कई मृत लोगों के शव सड़क पर पड़े थे। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि जारी की गई सभी तस्वीरें और फुटेज कथित तौर पर उकसावे का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्योंकि रूस सेना को 30 मार्च की शुरुआत में शहर से पूरी तरह से वापस बुला लिया गया था।

पाक की राजनीतिक द्वंद्व लंदन तक पहुंचा, नवाज शरीफ पर 24 घंटे में दूसरा हमला

- डेढ़ दर्जन से अधिक हमलावर पहुंचे थे ऑफिस

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के पहले इमरान के संसद भंग करने और चुनाव कराने के सियासी ड्रामें का असर सात समुंदर पार ब्रिटेन में देखने को मिल रहा है। असर ये कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ पर बड़ा हमला हुआ है। ये बात खुद नवाज शरीफ ने बताई है। इस घटना के ठीक दो दिन बाद अब नवाज शरीफ के दफ्तर पर 20 से ज्यादा हमलावरों ने हमला कर दिया है। हमलावर इमरान खान की पार्टी पीटीआई के बताए जा रहे हैं। अभी तक 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। नवाज शरीफ पर हमले का ये दूसरा प्रयास है। इससे पहले उनपर एक व्यक्ति ने मोबाइल फेंका था जिससे उनका बॉडीगार्ड चोटिल हो गया था।

पाकिस्तान की मीडिया के अनुसार नवाज शरीफ के लंदन वाले ऑफिस पर हमला हुआ है। बीती रात ये हमला हुआ जिसमें तीन लोग जख्मी हुए हैं। पुलिस ने हमले के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 15 से 20 लोगों ने नवाज शरीफ के घर पर हमला किया था। रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर जिन गाड़ियों पर आए थे उनमें इमरान खान की पार्टी पीटीआई के झंडे लगे थे। कुछ हमलावरों ने मास्क पहन रखा था। बताया जा रहा है कि हाथापाई की नौबत भी आ गई थी। मैट्रोपॉलिटन पुलिस भी वहां पहुंच गई थी।

नवाज शरीफ के उपर लगातार दूसरे हमले के प्रयास के बाद उनकी बेटी मरियम नवाज ने ट्विट करते हुए कहा कि पीटीआई के लोग हिंसा का सहारा लेते हैं या कानून को अपने हाथों में लेते हैं। उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इमरान खान को देशद्रोह के लिए पकड़ा जाना चाहिए। मरियम नवाज ने कहा कि इमरान जो कुछ भी कर रहे हैं वो उनके खिलाफ डोजियर और चार्जशीट में जोड़ा जाएगा। ये फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। इससे उन्हें और उनके लोगों के लिए मुसीबतों और दुखों को सीधा आमंत्रित ही किया जा रहा है।

मौजूदा तंत्र के जरिए भारत के साथ सीमा से जुड़े मामले निपटाए जाएंगे : खड़का

काठमांडू (ईएमएस)। हाल ही में भारत यात्रा पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का ने संवाददाताओं से कहा द्विपक्षीय वार्ता और विचारों का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काफी फलदायी रहा। खड़का ने बताया प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नेपाल के विकास के लिए हमेशा सोचता है और उन्होंने काठमांडू को उसके प्राथमिकी वाले क्षेत्रों में नई दिल्ली से दी जाने वाली सहायता जारी रखने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा वार्ता के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने सीमा संबंधी मामलों पर चर्चा की और दोनों नेताओं ने इस प्रकार के मामलों से मौजूदा तंत्र, वार्ता एवं कूटनीति के जरिए निपटने पर सहमति जताई।

देउबा ने मोदी से एक द्विपक्षीय तंत्र की स्थापना के जरिए सीमा संबंधी मामलों को सुलझाने की शनिवार को सार्वजनिक रूप से अपील की थी। ऐसे में खड़का का यह बयान महत्व रखता है। कुछ घंटे बाद विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि सामान्य समझ यह थी कि मुद्दे का समाधान बातचीत के माध्यम से जिम्मेदार तरीके से करने की जरूरत है और इसके राजनीतिकरण से बचना चाहिए। श्रृंगला ने कहा इस मुद्दे पर संक्षेप में चर्चा हुई। एक सामान्य समझ थी कि दोनों पक्षों को हमारे करीबी और मैत्रीपूर्ण संबंधों की भावना के साथ चर्चा और बातचीत के माध्यम से इसका जिम्मेदार तरीके से समाधान करने की जरूरत है और ऐसे मुद्दों के राजनीतिकरण से बचना चाहिए।

सीमा मुद्दे के राजनीतिकरण से बचने की आवश्यकता पर श्रृंगला की टिप्पणी महत्व रखती है, क्योंकि 2020 में नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने बढ़ते घरेलू दबाव और उनके नेतृत्व को उत्पन्न चुनौती से मुकाबले के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल करने का प्रयास किया था। नेपाल द्वारा 2020 में एक नया राजनीतिक मानचित्र प्रकाशित किए जाने के बाद भारत और नेपाल के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था, जिसमें तीन भारतीय क्षेत्रों- लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया गया था। खड़का ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार और सीमा पार पारेषण लाइन के क्षेत्र में सहयोग, रेलवे लाइन निर्माण के माध्यम से सीमा पार संपर्क बढ़ाने, एकीकृत जांच चौकी के निर्माण और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसे मामलों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। खड़का ने कहा प्रधानमंत्री देउबा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने आपसी हितों को बढ़ावा देने एवं द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

देउबा ने भारतीय व्यापार जगत के दिग्गजों से भी आर्थिक समृद्धि के लिए नेपाल में निवेश करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि नेपाल सरकार देश में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कानूनी और नीति स्तर के सुधार लाने के लिए प्रयासरत है। मंत्री ने कहा इस यात्रा के दौरान नेपाली और भारतीय कारोबार जगत के लोगों को संवाद करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर भी मिला। खड़का ने कहा हमारा दृढ़ विश्वास है कि प्रधानमंत्री देउबा ने प्रधानमंत्री मोदी और दिल्ली में अन्य नेताओं एवं उच्च अधिकारियों के साथ जो उच्चस्तरीय वार्ता की, उससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग एवं समझ को और मजबूत करने में मदद मिली।

अरोज आफताब बनीं ग्रैमी अवार्ड जीतने वाली पहली पाक महिला, बराक ओबामा भी हैं उनके प्रशंसक

लॉस् एजेलिस (ईएमएस)। म्यूजिक इंडस्ट्री के ऑस्कर माने जाने वाले ग्रैमी अवॉर्ड्स की विनर लिस्ट सामने आ चुकी है। बड़े-बड़े दिग्गजों के नामों के बीच पाकिस्तान की गायक अरोज आफताब भी छाई हुई हैं। क्योंकि वह उस देश की पहली ऐसी महिला बन गई हैं, जिन्होंने ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। उन्हें 'मोहब्बत' सॉन्ग में बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस का खिताब दिया गया है। इसकी जानकारी खुद ग्रैमी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर दी है।

ट्विट कर बताया है आरजू आफताब ने ग्रैमी 2022 में मोहब्बत के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस का टाइटल जीता है। आफताब पाकिस्तान की पहली महिला हैं, जिन्होंने ग्रैमी जीता है और वह बेस्ट न्यू आर्टिस्ट के लिए भी नॉमिनेटेड थीं। जानकारी के मुताबिक आफताब साल 2005 में अमेरिका गई थीं। उस वक्त वह 9 साल की थीं। वहां उन्होंने बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक' में संगीत की पढ़ाई की और म्यूजिक प्रोडक्शन और इंजीनियरिंग और जैज कंपोजिशन में डिग्री हासिल की। इसके 5 साल बाद यानी 2010 में वह न्यूयॉर्क चली गईं। यहां उन्होंने कम्पोजर के तौर पर काम शुरू किया।

इसके बाद सन 2014 में उन्होंने अपना पहला म्यूजिक एलबम 'बर्ड अंडर वॉटर' रिलीज हुआ था और सॉन्ग मोहब्बत ने पूरे अमेरिका में तहलका मचा दिया था। इतना ही नहीं, इसे इतना पसंद किया गया था कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जब अपने समर वेकेशन पर गए थे तो एंटरटेनमेंट के लिए अपनी प्लेलिस्ट में इस गाने को शामिल तक कर लिया था। अवॉर्ड जीतने के बाद अरोज ने कहा मुझे लगता है कि मैं बोहेश हो जाऊंगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

बलूचिस्तान में आम लोगों पर पाक सेना का जुल्म बढ़ा, जबरन गायब हो रहे हैं लोग

सिंध (ईएमएस)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आम लोगों पर पाक सेना का जुल्मों सितम लगातार बढ़ता जा रहा है लिहाज लोग जबरन गायब हो रहे हैबलूचिस्तान में आम लोगों पर पाक सेना का जुल्म बढ़ा, जबरन गायब हो रहे हैं लोग इस मुद्दे ने पाकिस्तान, विशेष रूप से बलूचिस्तान प्रांत को त्रस्त कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जबरन गायब होने के 22,600 मामलों में से 348 नाम प्रांत के कोहलू जिले से हैं। पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा विशेष रूप से जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा बलूचिस्तान में एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किडनैपिंग के कई मामले सामने आए हैं। यहां अपहरण और जबरन गायब होने के मामलों को लेकर दुनिया भर में कई विरोध प्रदर्शन हुए हैं। पाकिस्तान आर्मी का बलोच लोगों पर ये कहर दो दशकों से अधिक समय से जारी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जबरन गायब होने की बात अब आम है, क्योंकि प्रांत के कोहलू जिले से कथित तौर पर 348 लोग लापता हैं। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कोहलू जिले के उपायुक्त द्वारा 348 नामों वाले जबरन गायब होने की सूची जारी की गई थी। लिस्ट में कथित तौर पर बलूचिस्तान से गायब हुए लोगों के 22,600 नाम थे। हाल ही में, छात्रों ने पाकिस्तान की राजधानी में प्रेस क्लब के सामने विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें साथी छात्र हफीज बलूच की रिहाई की मांग की गई थी, जिसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने जबरन गायब कर दिया था।

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने पहले बलूचिस्तान और बाकी पाकिस्तान में जबरन गायब होने की एक ताजा लहर की रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त की थी, जिसमें हाल ही में इस्लामाबाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर छात्र हफीज बलूच भी शामिल था। आयोग ने एक बयान में कहा कि बलोच कथित तौर पर खुजदार में गायब हो गया था, जहां वह एक स्थानीय स्कूल में स्वयंसेवा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोर्ट्स की मानें तो उनका उनके छात्रों के सामने अपहरण किया गया था। जबरन गायब होने के मामले पाकिस्तान के लिए स्थानिक हैं और देश में ठलापता व्यक्तियोंठ की एक नई लहर देखी जा रही है। 'क्रूर सैन्य मशीनों' का इस्तेमाल करके पाकिस्तान और चीन द्वारा किए गए मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन पर प्रकाश डालते हुए, बलूच, सिंधी और अन्य नेताओं ने इस बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान की कि कैसे संबंधित सरकारें इस क्षेत्र के संसाधनों का शोषण कर रही हैं और अपने समुदायों को कुपोषित और निरक्षर रखकर उन्हें खत्म कर रही हैं।

जिनेवा में प्रेस क्लब में सम्मेलन में बोलते हुए, विश्व सिंधी कांग्रेस (डब्ल्यूएससी) के महासचिव डॉ लखुमल लुहाना ने कहा कि 1947 में विभाजन के दौरान सिंध पाकिस्तान आया था और यह एक ठसबसे काले युगठ की शुरुआत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान के राजस्व में सिंध अकेले 70 प्रतिशत संसाधन का योगदान करता है। हालांकि, स्थिति ऐसी है कि 10 साल से कम उम्र के 70 लाख बच्चे शिक्षा से बाहर हैं। लुहाना ने आगे कहा कि असली आंकड़े यह हैं कि 67 फीसदी लड़कियां शिक्षा से बाहर हैं। लगभग 80 प्रतिशत स्कूलों में पानी या स्वच्छता की सुविधा नहीं है।

जानकारों का मानना है कि लापता लोगों की मौत हो जाती है, उनके क्षत-विक्षत शवों को खाई में फेंक दिया जाता है। उन्हें नजरबंद किया जा जाता है, डिटेंशन सेंटर में बंद कर दिया जाता है।

अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर की सड़क पर मुस्लिमों ने पढ़ी नमाज

-सोशल मीडिया में छिड़ गई बहस

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के सबसे व्यस्तम शहर न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर की सड़क पर पहली बार मुसलमानों ने तरावीह की नमाज अदा की है। अपनी तरह की इस दुर्लभ घटना में हजारों की तादाद में मुस्लिम इकट्ठा हुए और शनिवार को रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने पर तरावीह की नमाज पढ़ी। इस बीच मुस्लिमों के सड़क पर नमाज पढ़ने से सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है। कई लोग जहां टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने का समर्थन कर रहे हैं, वहीं बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं। गल्फ टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब मुस्लिमों ने टाइम्स स्क्वायर जैसी चर्चित जगह पर नमाज पढ़ी है। इस कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि अमेरिका में रह रहे मुस्लिम चाहते थे कि रमजान को न्यूयॉर्क सिटी के इस बहुचर्चित स्थान पर मनाया जाए और दूसरों को यह बताया जाए कि इस्लाम एक शांतिपूर्ण धर्म है। आयोजकों ने कहा कि इस्लाम को लेकर पूरी दुनिया में कई गलत धारणाएं हैं।

आयोजकों ने कहा, 'हम सभी लोगों को अपने धर्म के बारे में बताना चाहते थे जो इसके बारे में नहीं जानते थे। इस्लाम शांति का धर्म है।' मुस्लिमों का पवित्र रमजान महीना शनिवार को शुरू हुआ है। चांद दिखाई देने के बाद रमजान का ऐलान किया गया था। इस बीच टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने को लेकर सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है। यह टॉप ट्रेंड कर रहा है। इस आयोजन की कई लोग कड़ी आलोचना भी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय यूएई निवासी हसन सजवानी लिखते हैं, 'सड़क पर नमाज पढ़ने से लोगों को असुविधा होती है। अकेले न्यूयॉर्क में 270 से ज्यादा मस्जिदें हैं और नमाज पढ़ने के लिए ज्यादा अच्छा स्थान हैं। अपने धर्म का प्रदर्शन करने के लिए लोगों का रास्ता रोकने की कोई जरूरत नहीं है। यह वह नहीं है जो इस्लाम हमें सीखाता है।' खलीफा नामक यूजर ने भी लिखा कि मैं एक मुसलमान हूं लेकिन टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने का समर्थन नहीं करता हूं। यह गलत संदेश दे सकता है कि इस्लाम 'आक्रमण' या घुसपैठ करने वाला है। इसलिए मस्जिदों में ही नमाज पढ़ें।

4 अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष की यात्रा कराएगी कंपनी एक्सिओम स्पेस

ह्यूस्टन (ईएमएस)।अमेरिका की निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस अपने चार अंतरिक्षयात्रियों को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भेजने वाला है। ये चारों अंतरिक्ष यात्री एलन मस्क की स्पेस एक्स कंपनी के ड्रैगन कैप्सूल से 6 अप्रैल 2022 को अंतरिक्ष की यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। इस मिशन का नाम है एएक्स-1 होगा। यात्रा में पूर्व नासा एस्ट्रोनॉट माइकल लोपेज एलेग्रिया हैं। इनके अलावा तीन निजी यात्री हैं, लैरी कॉनर, मार्क पैथी और ईटन स्ट्रीब शामिल हैं। इन यात्रियों की अंतरिक्ष यात्रा 10 दिन की होगी। आठ दिन स्पेस स्टेशन में रहने वाले हैं, दो दिन यात्रा में लगने वाले हैं। इस दौरान 25 माइक्रोग्रैविटी एक्सपेरीमेंट होगा। जिसमें से कई साइंस, एजुकेशन और आउटरीच से जुड़े हैं।

एलेग्रिया ने कहा कि यह इंसानी अंतरिक्ष उड़ान का नया समय है। इस उड़ान से स्पेस ट्रैवल के नए आयाम खुलेगा। स्पेस स्टेशन पर वर्किंग, लिविंग और रिसर्च को लेकर सिर्फ वैज्ञानिक समूह ही नहीं जुड़ेगा। बल्कि दुनिया के अन्य लोग भी जुड़ने वाले हैं। यह एक तरह का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। जो व्यापक होता चला जाएगा। माइकल ने कहा कि हम चारों अंतरिक्ष यात्रियों ने कई घंटे एकसाथ सिमुलेशन में काम किया है।ताकि साथ में यात्रा के दौरान सामंजस्य बिठा सकें।पूर्व नासा एस्ट्रोनॉट पेगी विट्सन ने कहा कि चारों अंतरिक्ष यात्रियों की पूरी ट्रेनिंग हो चुकी है।ये लोग स्पेस स्टेशन जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। एक्सिओम स्पेस के सीईओ माइकल सफ्रेडिनी ने कहा कि अंतरिक्षयात्रा का नया दौर शुरु होने वाला है। ये लोग हैं, जो किसी वैज्ञानिक समुदाय से नहीं जुड़े हैं। इन्हें इससे पहले अंतरिक्ष यात्रा का कोई अनुभव नहीं है।लेकिन ये एकसाथ काम करके नया इतिहास बनाने वाले हैं। इस यात्रा में माइकल को छोड़कर बाकी तीनों यात्रियों ने कुल मिलाकर 55 मिलियन डॉलर्स यानी करीब 418 करोड़ रुपये दिये हैं।

2040 तक स्किन कैंसर के मरीज हो जाएंगे दोगुना

-स्किन कैंसर का हर 5 में से 1 मरीज होता है मेलेनोमा का

केनबरा (ईएमएस)। ताजा अध्ययन में सामने आया है कि 2040 तक सबसे खतरनाक स्किन कैंसर के मरीज दोगुना हो जाएंगे। वहीं, दुनिया में 68फीसदी ज्यादा लोग इससे अपनी जान नहीं बचा पाएंगे। इस कैंसर को मेलेनोमा कहते हैं। स्किन कैंसर का हर 5 में से 1 मरीज मेलेनोमा का होता है। रिसर्च के अनुसार, कई अफ्रीकी और एशियाई देशों के मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में नए मरीजों की संख्या 36 गुना अधिक पाई गई। वहीं, इसने न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा लोगों की जान ली। मेलेनोमा स्किन कैंसर का एक रूप है। यह बीमारी सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों से होती है। इस स्थिति में स्किन में काले तिल की तरह दाग होने लगते हैं। धीरे-धीरे इसका आकार बढ़ने लगता है।

यह एक प्रकार की आनुवांशिकी बीमारी भी है, जो पीढ़ी दर चलती रहती है। अगर इसमें कोताही बरती गई, तो मरीज की जान तक जा सकती है।कैंसर पर रिसर्च करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी के अनुमान के अनुसार, 2020 में मेलेनोमा के 3,25,000 नए मरीज सामने आए, वहीं 57,000 मौतें हुई हैं। इस बीमारी से बचने के लिए हमें शरीर को सीधे सूरज के संपर्क में नहीं आने देना चाहिए। सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नगरों में जलापूर्ति-भूमिगत सुएज योजना के लिए 50.75 करोड़ रुपए के योजनागत कार्यों को मंज़ूरी

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की दो नगर पालिकाओं सावरकुंडला तथा उपलेटा में 'स्वर्णिम जंयती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत जलापूर्ति योजनाओं के लिए कुल 30.52 करोड़ रुपए के कार्यों को सैद्धांतिक मंज़ूरी दी है। इसके अलावा उन्होंने 'स्वर्णिम जंयती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत अहमदाबाद जिले की धोळका नगर पालिका को भूमिगत सुएज योजना फेज़- 4.1 के कार्यों के लिए भी 20.23 करोड़ रुपए के कार्य शुरू करने की अनुमति दी है। भूपेंद्र पटेल ने इन तीन नगरों में समग्रतः 50.75 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों को शीघ्र ही शुरू करने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि सावरकुंडा नगर पालिका में किए जाने वाले कार्यों में 15 लाख लीटर क्षमता की 20 मीटर ऊँची ऐंं, 36 लाख लीटर क्षमता वाला भूमिगत संप, वितरण व्यवस्था, पम्प हाउस, पम्पिंग मशीनरी तथा फ़िल्टर प्लांट शामिल हैं। उपलेटा नगर पालिका द्वारा जलापूर्ति के जो कार्य शुरू किए जाएँगे, उनमें इंटेकवेल, वर्तमान इंटेकवेल का नवीनीकरण, 4 श. ध. ॐ. क्षमता का वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, भूगर्भ संप, ऊँची टंकी, राइजिंग मेन तथा वितरण व्यवस्था के विभिन्न कार्य शामिल हैं। सावरकुंडला तथा उपलेटा में आगामी वर्ष 2052 की अनुमानित जनसंख्या के अनुपात में पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ये सभी कार्य किए जाएँगे। इन दोनों नगरों में जलापूर्ति के कार्यों का प्रस्ताव गुजरात अर्बन डेवलपमेंट मिशन द्वारा शहरी विकास विभाग के तहत मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत धोळका नगर में भूमिगत सुएज योजना फेज़- 4.1 के 20.23 करोड़ रुपए के कार्यों को भी स्वीकृति दी है। भूपेंद्र पटेल द्वारा दी गई मंज़ूरी के अनुसार धोळका नगर में 12.45 किलोमीटर के सुएज नेटवर्क कार्यों के लिए 7.92 करोड़ रुपए, राइजिंग मेन के लिए 7.42 करोड़ रुपए तथा लिफ़्ट पम्पिंग स्टेशन के लिए 3.45 करोड़ रुपए के कार्य शुरू किए जाएँगे। इतना ही नहीं, अन्य कार्यों में डामर तथा कंक्रीट के सड़कों को पुनः निर्माण, पाइप लाइन क्रॉसिंग के कार्य तथा 300 हाउस कनेक्शन चैम्बर्स के कार्य भी किए जाएँगे। मुख्यमंत्री के समक्ष गुजरात अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से धोळका नगर के कार्यों को लेकर शहरी विकास विभाग की ओर से प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसे भूपेंद्र पटेल ने अनुमति दी है।

विश्व बैंक विकास कार्यों के लिए अहमदाबाद कॉर्पोरेशन को देगा 3 हजार करोड़ का ऋण

अहमदाबाद (ईएमएस)। विश्व बैंक अहमदाबाद महानगर पालिका को तीन हजार करोड़ रुपए का ऋण देगा। यह ऋण अहमदाबाद शहर में गटर एवं पानी निकासी की लाइनों के प्रोजेक्ट के लिए मिलेगा। इस प्रोजेक्ट की जानकारी एकत्र करने के लिए विश्व बैंक की एक टीम 10 दिवसीय दौरे पर अहमदाबाद आई है। अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त आरके मेहता ने बताया कि आगामी 2050 के विजन को ध्यान में रखते हुए शहर के विकास कार्यों के लिए विश्व बैंक चरणबद्ध रु. 3000 करोड़ की लोन देगा। अहमदाबाद महानगर पालिका के भविष्य में किए जाने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यों के लिए गुजरात रेसिलियन्ट सिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम (जीआरसीडीपी) के अंतर्गत प्रोजेक्ट प्रपोजल रिक्वेस्ट राज्य सरकार की ओर से तैयार कर केन्द्र सरकार को भेजी गई थी। विश्व बैंक से आर्थिक सहायता के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा बैंक अधिकारियों के साथ सिलसिलेवार बैठकें की गई थीं जिसमें अहमदाबाद शहर में ड्रेनेज प्रोजेक्ट, एसटीपी, वित्त विभाग, टैक्स विभाग और एस्टेट विभाग को साथ लेकर विस्तार से चर्चा की गई थी। फिलहाल पहले चरण में अहमदाबाद शहर में एक करोड़ रुपए के काम शुरू किए जाएंगे।

गुजरात में चुनावी से पहले आप की सक्रियता, केजरीवाल के पहले दौरे से ही परेशान हुई कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस)। पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की बंपर जीत के बाद अब पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के निशाने पर गुजरात चुनाव हैं। आप ने गुजरात में भाजपा और कांग्रेस को चुनौती दे दी है। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दो पार्टियों के बीच घूमती रही गुजरात की सत्ता अब विकल्प तलाश रही है। आप ने भाजपा से टक्कर लेने के लिए कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाने का प्लान बना लिया है। अपने दो दिन के दौरे पर उन्होंने कई 'नाराज' कांग्रेस विधायकों से मुलाकात भी की। आम आदमी पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्लान तैयार कर लिया है। पार्टी के प्रमुख नेता गुजरात में अब डोर टु डोर मीटिंग करेंगे। 27 मार्च को केजरीवाल ने भारतीय ट्राइबल पार्टी के नेता देदियापाड़ा से विधायक महेश वासवा से मुलाकात की। बता दें कि आम आदमी पार्टी इस पार्टी के साथ गठबंधन की योजना बना रही है। अभी बीटीपी के दो विधायक हैं।

आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोषी ने उन्हें भाजपा की बी टीम बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोई भी पार्टी चुनाव प्रचार कर सकती है लेकिन आम आदमी पार्टी को भाजपा लेकर आई है। भाजपा को अब समझ में आ गया है कि उनका ध्रुवीकरण का तरीका सफल नहीं होने वाला है। बता दें कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की यूनिट 2013 में गठित की गई थी। हालांकि इसे अपना पहला अध्यक्ष 2017 में मिला। आप ने 79 साल के मैथमैटिक्स के प्रोफेसर किशोर देसाई को गुजरात यूनिट का अध्यक्ष बनाया था। उस साल पार्टी ने 182 विधानसभा सीटों में से 29 पर चुनाव लड़ा था। कई क्षेत्रों में आप के उम्मीदवरों को नोटा से भी कम वोट मिले थे। इसके बाद पार्टी ने 2020 में संगठन का पुनर्गठन किया। केजरीवाल ने 32 साल के गोपाल इटालिया को राज्य का चीफ बनाया है। वह एक पुलिस कॉन्स्टेबल थे और गृह मंत्री पर जूता चलाने के बाद चर्चा में आए थे।

राज्य के 5 कॉर्पोरेशन और 31 जिलों में कोरोना का कोई नया मरीज नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) सोमवार को राज्य के 5 कॉर्पोरेशन और 31 जिलों में कोरोना का एक भी नया केस दर्ज नहीं हुआ। 3 कॉर्पोरेशन और 2 जिलों में कोरोना के केवल 9 नए मरीज सामने आए हैं जबकि 6 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्यभर में आज 4776 नागरिकों को वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, दाहोद में 2, वडोदरा में 2, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के 9 नए केस दर्ज हुए हैं जबकि राजकोट, भावनगर, जूनागढ़, जामनगर और सूरत समेत 5 महानगर पालिकाओं के अलावा अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी और वलसाड समेत 31 जिलों में कोरोना का एक भी नया केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन और मेहसाणा में 2-2 तथा अहमदाबाद कॉर्पोरेशन व दाहोद में 1-1 समेत राज्य में 6 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इसी के साथ राज्य में कोरोना से स्वस्थ होनेवालों की संख्या 1212932 हो गई। जबकि 10942 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। फिलहाल राज्य में कोरोना के 67 सक्रिय मरीज स्टेबल हैं। दूसरी और राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 4776 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। 18 वर्ष से अधिक आयु के 185 को पहला और 2640 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 49 किशोरों को को पहली और 510 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 12 से 15 वर्षीय 353 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया। जबकि 1039 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 106261463 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

चुनावी तैयारियों की बीच केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह फिर एक बार आएंगे गुजरात

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में इस साल के अंत में होनेवाले चुनावों को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन सबके बीच भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेताओं के गुजरात दौरे बढ़ गए हैं। इस दिशा में अब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह फिर एक बार गुजरात दौरे की खबर है। खबर है कि अमित शाह 9 अप्रैल को अहमदाबाद आएंगे। 10 अप्रैल और 11 अप्रैल को अमित शाह अहमदाबाद और गांधीनगर में होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। 10 अप्रैल को अमित शाह नवनिर्मित गुजकोमासोल भवन का लोकार्पण करने के बाद एक बैठक करेंगे। गांधीनगर स्थित नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा नेशनल फोरेंसिक सायंस यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में भी अमित शाह शिरकत करेंगे।

ईको कार ने ऑटो रिक्शा को मारी टक्कर, युवक की घटनास्थल पर ही मौत

मेहसाणा (ईएमएस) मेहसाणा के निकट ईको कार और ऑटो रिक्शा के बीच दुर्घटना में अहमदाबाद के एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब युवक पाटण के मोटीसा हडकमई माता मंदिर से दर्शन कर अहमदाबाद लौट रहा था। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद निवासी गौतम पटनी नामक युवक अपने माता-पिता के साथ पाटण के मोटीसा हडकई माता जी के मंदिर में दर्शन करने गया था। मंदिर में दर्शन के बाद गौतम अपने माता-पिता को पाटन में छोड़कर ऑटो रिक्शा लेकर अहमदाबाद की ओर लौट रहा था। उस वक्त मेहसाणा बाइपास रोड पर पांचोट नगर सर्कल के निकट तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो रिक्शा को जबर्दस्त टक्कर मार दी। गौतम के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे को अंजाम देकर ईको कार का ड्राइवर अपनी गाडी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेहसाणा के सिविल अस्पताल भेज दिया। मेहसाणा तहसील पुलिस ने ईको कार के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

परिवार को शादी मंजूर नहीं होने से भागकर शादी करने की युवती ने बताया

अहमदाबाद, ४ अप्रैल।

हेबियस कोपर्स रिट में हाईकोर्ट के समक्ष मुस्लिम युवती ने बताया कि, मेरे परिवार को हिंदू युवक के साथ संबंध मंजूर नहीं था इसीलिए भागकर शादी किया है। युवती ने बताया कि, इसने एक हिंदू युवक के साथ तीन वर्ष से संबंध था और इसके साथ इसने परिवार की इच्छा से शादी करना था। लेकिन इसके परिवार को संबंध मंजूर नहीं था। युवती खुद भी वयस्क है और स्नातक हुई है। युवक भी शिक्षित है और इसके साथ ही वह अपना जीवन बिताना चाहती है। यह मामले में हाईकोर्ट ने युवती की मां ने की गई हेबियस कोर्पस की अर्जी रद्द की और युवती को युवक के साथ जाने की मंजूरी दी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार पूरा मामला सूरत के अठवालाइन्स पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई मालूम करने के लिए शिकायत का है। यह मामले में फरजा के (नाम बदला है) की मां ने हाईकोर्ट में हेबियस कोर्पस की अर्जी करके फरजाना को कोर्ट के समक्ष पेश करने की मांग की थी। शुरूआत में युवती की जानकारी नहीं मिली। लेकिन बाद में पुलिस ने फरजा के और तरुण (नाम बदला है) को ढूंढकर कोर्ट के समक्ष पेश किया था। जिसमें उसने कोर्ट में बताया है कि, दोनों वयस्क है अनन ने उन्होंने शादी कर ली है। लेकिन आंतरधर्मीय होने से युवती के परिवार को यह संबंध मंजूर नहीं था। फरजाना ने परिवार को समझाने के लिए और मनाने के लिए कई प्रयास किए लेकिन वह नहीं माने। कोर्ट ने फरजाना को पूछा कि इसने धर्म परिवर्तन या अन्य कोई दबाव तो नहीं किया गया तब फरजाना ने स्पष्ट कहा कि इस पर कोई दबाव नहीं है। उसने अपनी इच्छा से नाबालिग के साथ शादी की है। इसके बाद कोर्ट ने नाबालिग को पूछा तब इसने कहा कि पहले कॉलेज में नौकरी करता था लेकिन अब फाइनेंस कंपनी में जॉब करता है।

इसके परिवार को यह शादी से कोई आपत्ति नहीं है। यह केस में युवती की बात सामने आये तथ्यों को नजर रखकर हाईकोर्ट के न्यायाधीश सोनिया गोकाणी और जस्टिस मौना भट्ट की खंडपीठ ने फरजाना को किशोर (नाबालिग) के साथ जाने की मंजूरी दी थी।

१५ से ज्यादा फायर ब्रिगेड ने आग को काबू में लिया

पुराने फर्निचर की बिक्री करते झोपडपट्टी में देर रात को आग

फायर फाइटिंग की टीम के एक व्यक्ति को यह झोपडपट्टी में से डेढ़ लाख रुपया नकद मिल गया

अहमदाबाद, ४ अप्रैल।

शहर के निर्णयनगर के पुराने फर्निचर की बिक्री करते झोपडपट्टी में देर रात को भीषण आग लगी। यह आग इतनी भीषण थी कि इसे काबू में लेने के लिए १५ से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की मदद ली गई थी।

यह बड़ी दुर्घटना में अभी तक कोई जनहानि के समाचार सामने नहीं आये है। फिलहाल यह आग को काबू में ले लिया गया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एलपीजी गैस में लीकेज की वजह से यहां भीषण आग लगी थी। फायर के अधिकारियों के बताये अनुसार, यहां बड़ी मात्रा में लकड़ी की फर्निचर होने की वजह से आग ने विकराल रूप ले लिया। यह आग में मानवता को सार्थक करता एक उदाहरण भी सामने आया है। फायर फाइटिंग की टीम के एक व्यक्ति को यह झोपडपट्टी में से डेढ़ लाख रुपया नकद मिल गया। जिसे पुलिस की मौजूदगी में सौंपा गया है। प्राथमिक जांच में सामने आ रहा है कि, यह आग एलपीजी लीकेज की वजह से लगी होनी चाहिए। फिलहाल इस मामले में आगे की जांच चल रही है। आग की वजह से दूर दूर तक धुएं देखने को मिला। फायर की टीमों के आने जाने की वजह से सायरनों से माहौल गूंज उठ गया। शहर में एक दिन पहले भी मेम्को ब्रिज नीचे स्थित अंबिका एस्टेट में लकड़ी के गोदाम में भीषण आग लगने का मामला बना है। अचानक लगी आग की वजह से फायर ब्रिगेड की छोटी बड़ी १६ गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई थी। ६० से ज्यादा फायर ब्रिगेड के जवानों द्वारा अलग अलग तरफ से पानी का छिड़काव करके आग को काबू में लेने का प्रयास किया गया। करीब ६ घंटे तक आग बुझाने का काम फायर ब्रिगेड द्वारा किया गया। इस मामले में फायर विभाग के अधिकारी मिथुन मिस्त्री के बताये अनुसार, मेम्को अंबिका एस्टेट के २७ नंबर के शेड में आग लगी होने का ३.३० बजे फोन आया।

परिवार के ३ लोगों के शव कुएं से मिल गया

कुएं में से २४ वर्ष की मां के साथ बेटा-बेटी के शव मिले

पोरबंदर, ४ अप्रैल।

कुतियाणा तहसील के देवडा गांव में कादीनेश क्षेत्र में कुएं से एक साथ तीन शव मिलने पर सनसनी मच गई। छोटे गांव में ऐसी घटना का समाचार फैल जाने से लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। एक ही परिवार के ३ लोगों के शव कुएं से मिल गया है। २४ वर्षीय मां ने अपने २ वर्ष के बेटे और डेढ़ महीने की बेटी के साथ आत्महत्या किए जाने की संभावना पुलिस द्वारा व्यक्त की जा रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच में आत्महत्या की घटना होने का सामने आया है। पति-पत्नी के बीच मामूली बात में हुई वादविवाद बाद घटना हुई होने का प्राथमिक निष्कर्ष में सामने आया है। घटना की वजह से कुतियाणा पुलिस ने शिकायत दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल तो पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों की जांच भी शुरू की है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, सूरत के पाल उमरा ब्रिज पर से जा रहे थे तब एक युवती ब्रिज पर आत्महत्या करने के लिए पहुंची थी। हालांकि स्थानीय लोगों ने युवती को बचा लिया लेकिन युवती को लेकर अपना काफिला रुकवाकर युवती को समझाकर पुलिस स्टेशन भेजने का काम किया। पहले गृहमंत्री हुए उस समय में भी सूरत के सरदार ब्रिज पर से कोई व्यक्ति आत्महत्या के लिए प्रयास किया था तब भी गृहमंत्री ने अपना काफिला रुकवाकर युवक की जान बचाने का प्रयास किया लेकिन इसमें विफल रहे तब आज की इस युवती को जान बचाने में सफल रहे इसके साथ साथ इसे समझाकर घर भेजने में भी सफल रहे। इस तरह हर्ष संघवी ने खुद एक जिम्मेदार गृहमंत्री होने का कर्तव्य निभाया।

बीएसएफ ने पेट्रोल पार्टी की पेट्रोलिंग के दौरान कार्रवाई

भुज में हरामी नाला के पास बीएसएफ ने जब्त की पाकिस्तानी नाव

पेट्रोलिंग के दौरान जवानों को आशंका होने पर उन्होंने कीचड़ में चलकर नाला पार किया लेकिन मछुआरे फरार हो गये और नाव को जब्त की गई

भुज, ४ अप्रैल।

गत ३ अप्रैल २०२२ को रविवार को देर शाम को ८.३० बजे बीएसएफ भुज की पेट्रोल पार्टी बॉर्डर पिल्लर नंबर ११६४ निकट हरामी नाला क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी उस समय में २ पाकिस्तानी फिशिंग नाव की गतिविधि सामने आई थी। बॉर्डर पिल्लर नंबर ११६० के पास २ पाकिस्तानी फिशिंग नाव और ४-५ पाकिस्तानी मछुआरों की मौजूदगी को ध्यान में लेकर बीएसएफ की पेट्रोल पार्टी तुरंत पैदल चलकर कीचड़ और नाला पार करके इस दिशा में चली गई थी। हालांकि बीएसएफ के पेट्रोलिंग यूनिट को अपने तरफ आते देखकर पाकिस्तानी मछुआरे सतर्क हो गये थे और कीचड़ वाली जमीन का लाभ लेकर तुरंत पाकिस्तानी सीमा में पहुंच गये। हालांकि बीएसएफ के पेट्रोलिंग यूनिट ने उनका पीछा किया था और बॉर्डर पिल्लर नंबर ११६० के पास भारतीय सीमा के करीब १०० मीटर अंदर से १ पाकिस्तानी फिशिंग नाव जब्त की गई। जब्त की गई नाव की गहन जांच की गई थी। जिसमें मछलियां मिली थी और इसके अलावा कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी। इसके अलावा नाव में से मछली पकड़ने की जाली और मछली पकड़ने के लिए अन्य साधन भी मिल गये। फिलहाल यह पूरे क्षेत्र की गहन जांच की जा रही है।

सूरत के ओलपाड रोड पर पुराने सरोली टोल नाके के निकट बनेगा नया 6 लेन रेलवे ओवरब्रिज

- 'स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत 64 करोड़ रुपए के कार्यों को सैद्धांतिक मंज़ूरी

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत महानगर पालिका को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आउट ग्रोथ क्षेत्रों के कार्यों को देखते हुए शहरी गतिशीलता घटक में 64 करोड़ रुपए की लागत से नया रेलवे ओवरब्रिज बनाने के कार्य को सैद्धांतिक मंज़ूरी दी है। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई इस सैद्धांतिक मंज़ूरी के परिणामस्वरूप सूरत-ओलपाड रोड पर स्थित पुराने सरोली टोल नाके के निकट वर्तमान रेलवे ओवरब्रिज के स्थान पर नया 6 लेन ओवरब्रिज बनाने का कार्य शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। सूरत महानगर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में इनस्ट्रक्चर डेवलपमेंट के चलते ट्रैफ़िक में वृद्धि हो रही है। इतना ही नहीं, हज़ीरा स्थित उद्योगों के टैंकरों सहित भारी वाहनों के किम-ओलपाड की ओर आने से सूरत-ओलपाड को जोड़ने वाले वर्तमान टू लेन ब्रिज पर दिन-प्रतिदिन ट्रैफ़िक बोझ बढ़ता जा रहा है। इस समस्या का सुचारु निवारण लाने के लिए वर्तमान टू लेन ब्रिज का विस्तार करना अथवा इसके स्थान पर अधिक क्षमता वाले नए ब्रिज का निर्माण करना बहुत ही आवश्यक हो गया है। इसके चलते सूरत-ओलपाड रोड पर स्थित पुराने सरोली टोल नाके के निकट 6 लेन का नया ओवरब्रिज बनाने के लिए गुजरात म्युनिसिपल फ़ाइनेंस बोर्ड द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक मंज़ूरी दी है।

सोलर पैनल चेक करने के लिए आये होने का बताकर उठाकर ले गये

वेतन चुकाने में रेस्टोरेंट के मालिक ने पड़ोसी का किया अपहरण

महिला के पति ने पुलिस का संपर्क करने पर डर की वजह से शख्सों ने महिला को छोड़ दिया और खुद फरार हो गये

अहमदाबाद, ४ अप्रैल।

वित्तीय संकट और स्टाफ को वेतन चुकाने में असमर्थ, कलोल के एक रेस्टोरेंट के मालिक ने फिरौती की रकम से अपना कर्जा पूरा हो जाएगा ऐसी अपेक्षा के साथ अपने पड़ोसी का अपहरण किया। हालांकि, पीड़िता के पति ने पुलिस का संपर्क करने पर इसकी योजना विफल गई थी। गांधीनगर पुलिस के लोकल क्राइम ब्रांच ने शनिवार को रेस्टोरेंट के मालिक मितुल पटेल की (उम्र.३५) कलोल से गिरफ्तारी की थी जबकि बाकी के सात गिरफ्तारी से दूर है। पुलिस के बताये अनुसार, मितुल पटेल ने ३० मार्च को अपने चार कर्मचारी, जो वेतन में वृद्धि करने की मांग कर रहे थे और अन्य तीन के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाई थी और इसे अंजाम दिया था। ५६ वर्षीय अल्का रस्तोगी तपोवन सर्कल के पास स्थित एक स्कूल में शिक्षिका के तौर पर नौकरी करती है। वह बुधवार को दोपहर में सरस्वती सोसाइटी स्थित घर पर अकेली थी तब एक २५ वर्षीय युवक, जिसकी पहचान बाद में सौरभ कुमार के तौर पर बताई थी, उसने उसका दरवाजा खटखटाया। जबकि उसने उनको सोलर पैनल चेक करने के लिए आये होने का बताया तब उन्होंने इसे अंदर जाने दिया। जिसके बाद २० से २५ वर्ष की उम्र के अन्य सात लोग इसके पीछे आये थे और शिक्षिका का अपहरण किया। उन्होंने शिक्षिका के हाथ और पैर बांध दिया था तथा जबरदस्ती से वाहन में बिठाने से पहले मुंह भी ढांक दिया था। उन्होंने कलोल के आसपास वाहन चलाया और महिला के पति प्रदीप रस्तोगी, जो छत्राल में डोरी बनाने की फैक्ट्री चलाते है उनका संपर्क किया था। हालांकि, एक पुलिस अधिकारी के बताये अनुसार उनका फोन नहीं लगा।

जबकि प्रदीप रस्तोगी घर पर आये और पत्नी अल्का को कहीं नहीं देखा तब कलोल सिटी पुलिस का संपर्क किया था और लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

रस्तोगी के घर पर पुलिस जांच किए जाने की जबकि मितुल पटेल को जानकारी मिली तब वह डर गया। ३१ मार्च को सुबह में करीब ४.३० बजे आरोपी ने अल्का को एकांत स्थल पर छोड़ दिया।

वाघोडिया के निकट नर्मदा नहर से युगल के शव मिले, 7 अप्रैल को युवक की शादी होनी थी

वडोदरा (ईएमएस) जिले के वाघोडिया के निकट राजपुरा स्थित नर्मदा नहर से युवक-युवती के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृत युवक की आगामी 7 अप्रैल को अन्य युवती के साथ शादी होनी थी, जिसके वह राजी नहीं था। संभवतः इसी वजह से युवक ने अपनी प्रेमिका के साथ नर्मदा में कूदकर जान दे दी। मृतक दिलीप राठवा पंचमहल जिले के कंजरी पाणिया गांव का निवासी था। दिलीप राठवा के भाई प्रवीण राठवा ने जरोद पुलिस को बताया कि उसकी 5 बहनें और 3 भाई हैं जिसमें दिलीप सबसे छोटा और अविवाहित था। कुछ समय पहले ही दिलीप की अमरापुरा गांव की युवती के साथ सगाई की थी और आगामी 7 अप्रैल को दोनों की शादी होनी थी। लेकिन दिलीप ने उर्मिला नामक अपनी प्रेमिका के साथ नर्मदा नहर में आत्महत्या कर ली। बड़ा भाई जब शादी के निमंत्रण कार्ड बांटने निकला था। उस वक्त दिलीप अपनी प्रेमिका के साथ राजपुरा स्थित नर्मदा नहर पहुंच गया और मोटर साइकिल किनारे खड़ी कर नहर में छलांग लगा दी। तीन दिन के बाद दिलीप और उर्मिला के शव बरामद हुए। जरोद पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

गांधीनगर के 30 साल के ब्रेन डेड युवक के अंगदान से तीन लोगों को मिला नया जीवन

अहमदाबाद (ईएमएस) गांधीनगर के 30 वर्षीय ब्रेन डेड संदीप ठाकोर के अंगदान से तीन लोगों को नया जीवन मिला है। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में अंगदान किया गया। पिछले 15 महीनों के भीतर अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में अंगदान की 48वीं घटना है। ब्रेन डेड संदीप ठाकोर गांधीनगर जिले की कलोल तहसील के गणपतपुरा गांव का निवासी था। गत 27 मार्च को सड़क दुर्घटना में संदीप ठाकोर गंभीर रूप से घायल हो गया था। गंभीर हालत में संदीप को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां सात दिनों के इलाज के बाद आखिरकार डॉक्टरों ने संदीप को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। संदीप को ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद सिविल अस्पताल की स्टेट ऑरगन टीसू एन्ड ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) की टीम ने उसके परिवार को अंगदान के बारे में समझाया। परिवार के अंगदान के लिए तैयार होने के बाद संदीप ठाकोर की दो किडनी और एक लीवर को अहमदाबाद सिविल मेडिसिटी किडनी इंस्टीटयूट में तीन जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपण किया गया।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने महिला कर्मचारियों को सेल्फ डिफेंस टेक्निक्स का प्रशिक्षण दिया

नई दिल्ली, 4अप्रैल 2022:कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय **(MSDE)** ने स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस एंड लेज़र स्किल्स काउंसिल **(SPEFL-SC))** के साथ साझेदारी में अपनी सभी महिला कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का आयोजन किया। महिला प्रतिभागियों को सेल्फ डिफेंस टेक्निक्स, मानसिक दक्षता और आसपास होने वाले संभावित खतरे से बचने और जागरूक होने के लिए प्रशिक्षित किया।

28 मार्च, 2022 को शुरू हुए वर्कशॉप में मंत्रालय की 50 से अधिक महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और किसी भी अप्रत्याशित परिस्थितियों से निपटने के लिए आत्मविश्वास पैदा करना था। प्रशिक्षण मॉडयूल ने उन्हें संभावित खतरनाक या जानलेवा स्थितियों में मानसिक रूप से मजबूत होना भी सिखाया।

वर्कशाप पूरा होने पर, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सेक्रेटरी श्री राजीव अग्रवाल ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। अगले स्तर के प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने की इच्छा रखने वाली महिलाओं को भी निरंतर सहयोग देने का वादा किया गया।

5 अप्रैल 2022 से साबरमती-दौलतपुर-साबरमती ट्रेन का शुभारंभ

रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन संख्या 19717/18 जयपुर-दौलतपुर चौक-जयपुर (दैनिक) तथा ट्रेन सं. 20911/12 साबरमती-अजमेर-साबरमती (दैनिक) का विलय करते हुए साबरमती-दौलतपुर-साबरमती ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। उद्घाटक स्पेशल रेल सेवा का शुभारंभ दिनाँक 04.04.2022 को आबू रोड़ स्टेशन पर माननीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

नियमित रूप से इस ट्रेन का संचालन दिनाँक 05.04.2022 को साबरमती से ट्रेन संख्या 19411/19412 साबरमती-दौलतपुर चौक-साबरमती के रूप में किया जाएगा। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

ट्रेन संख्या 19411/19412 साबरमती-दौलतपुर चौक-साबरमती एक्सप्रेस (दैनिक)

ट्रेन संख्या 19411 साबरमती-दौलतपुर चौक एक्सप्रेस साबरमती से प्रतिदिन प्रातः 09:45 बजे रवाना होकर अगले दिन 11:55 बजे दौलतपुर चौक पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 19412 दौलतपुर चौक-साबरमती एक्सप्रेस दौलतपुर चौक से प्रतिदिन दोपहर 14.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 14:55 बजे साबरमती पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन मेहसाना, ऊंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबूरोड, स्वरूपगंज, पिंडवाड़ा, नाना, फालना, रानी, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, मदार, किशनगढ़, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर (जयपुर), दौसा, बांदीकुई, राजगढ़, अलवर, खैरथल, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, जुलाना, जिन्द, उचाना, नरवाना, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला कैंट, चंडीगढ़, साहिबजादा नगर, मोरिंडा, रूपनगर, आनंदपुर, नंगल धाम, उना हिमाचल तथा अंब अंदौरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर तथा जनरल श्रेणी के कोच रहेंगे।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95